Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 67 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शनिवार 12 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

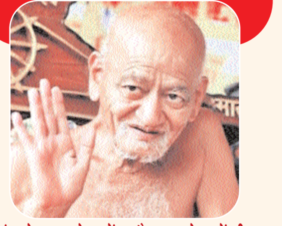

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right direction to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

ब्रिक्स की सामूहिक ताकत को वैश्विक समाधानों में बदलना होगा : पीएम मोदी

■ सदस्य देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने, और कारोबारी साझेदारियों को बढ़ाने का आह्वान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए सदस्य देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने, स्टार्टअप्स को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार देने और कारोबारी साझेदारियों को बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की सामूहिक ताकत को वैश्विक समाधान में बदलने और आर्थिक विकास को नई गति देने के लिए मिलकर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस वर्ष ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है। 2006 में जब समूह की शुरुआत हुई थी, तब इसमें चार देश थे, जबकि आज ब्रिक्स और ब्रिक्स साझेदारों को मिलाकर 21 देशों का परिवार बन चुका है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की करीब 50% आबादी, 40% जीडीपी और 25 प्रतिशत से अधिक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में वैश्विक जीडीपी करीब ढाई गुना बढ़ी है, जबकि ब्रिक्स देशों की संयुक्त जीडीपी करीब साढ़े चार गुना हुई है। यह दिखाता है कि ब्रिक्स की आर्थिक ताकत दुनिया की तुलना में करीब दोगुनी रफ्तार से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश वैश्विक नवाचार और समाधान के महत्वपूर्ण केंद्र भी बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएन्स, इनोवेशन, को-ऑपरेशन एंड सस्टेनिबिलिटी' है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस मंत्र को अपनी आर्थिक और व्यापार नीति का आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने ऊर्जा से लेकर टेक्नोलॉजी तक अपनी सप्लाई चेन को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है, जिसका परिणाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और स्थिरता के रूप में सामने आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का तेजी से विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही शिप-बिल्डिंग, सेमीकंडक्टर, क्वांटम, क्रिटिकल मिनरल्स और बायोटेक जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नई क्षमताएं तैयार की जा रही हैं।

ब्रिक्स में पुतिन का अमेरिका-यूरोप पर तंज

■ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत ब्रिक्स लीडर्स ने शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ग्लोबल ट्रेड पर बात की

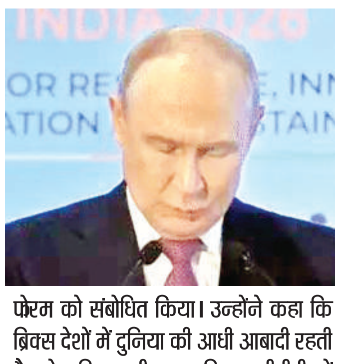

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत ब्रिक्स लीडर्स ने शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ग्लोबल ट्रेड पर बात की। इसमें सबसे अहम बयान पुतिन का रहा। उन्होंने अमेरिका और यूरोप पर तंज कसते हुए कहा, पश्चिम अब कमजोर हो रहा है, पता नहीं ये देश खुद को G7 क्यों कहते हैं। दुनिया की 40 प्रतिशत से ज्यादा जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई, जी 7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29 प्रतिशत रही।

इसके बाद पीएम मोदी ने भी बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी में हिस्सा रखते हैं। भारत व्यापार बढ़ाना चाहता है और इसके लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते जरूरी हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के मुताबिक, पीपीपी के आधार पर ब्रिक्स की हिस्सेदारी दुनिया की अर्थव्यवस्था में करीब 40 प्रतिशत है, जबकि जी 7 की 18 प्रतिशत। यानी आर्थिक आकार में ब्रिक्स आगे है। हालांकि G7 को कमजोर नहीं माना जा सकता। डॉलर, बैंकिंग, निवेश और तकनीक में उसका प्रभाव अब भी बड़ा है। दूसरी तरफ ब्रिक्स की ताकत बड़ी आबादी, प्राकृतिक संसाधन और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेता एक ही कार से इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन पहुंचे। बैठक में भारत-रूस रिश्तों के साथ मिडिल ईस्ट और ब्लैक सी के हालात पर चर्चा हुई। पुतिन ने मोदी को 24वें भारत-रूस समिट के लिए रूस आने का न्योता दिया, जिसे पीएम ने स्वीकार कर लिया।

हर पात्र परिवार को समय पर और पूरा राशन मिले, किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो : सीएम साय

■ विशेष पिछड़ी जनजातियों की बसाहटों में राशन वितरण की नियमित निगरानी के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार को उसके अधिकार का पूरा राशन समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा सहित विशेष पिछड़ी जनजातियों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को राशन प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। राशन वितरण में लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर तत्काल कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की नियमित निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा खाद्यान्न वास्तविक हितग्राही तक निर्धारित मात्रा में और समय पर पहुंचे, यह संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। विशेष पिछड़ी जनजातियों की बसाहटों में अधिकारी अतिरिक्त संवेदनशीलता के साथ राशन की उपलब्धता और वितरण की निगरानी करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र अंतर्गत आमानारा गांव में पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन नहीं मिलने की शिकायत को गंभीरता से लिया। उन्होंने रायगढ़ कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे प्रकरण की जानकारी ली और प्रभावित पात्र परिवारों को तत्काल राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से कहा कि शिकायत से जुड़े वितरण अभिलेखों की समुचित जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र परिवार अपने हक के खाद्यान्न से वंचित न रहे। ई-पॉस मशीन में दर्ज वितरण और हितग्राहियों को वास्तव में दिए गए खाद्यान्न का मिलान कर किसी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

राज्यपाल डेका ने विद्यार्थियों से किया संवाद, दिए सफलता के मंत्र

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में सैनिक स्कूल अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने भेंट की और संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए अनुशासन, आत्मनियंत्रण और कठोर परिश्रम को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। राज्यपाल डेका ने कहा कि विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें सैनिक स्कूल जैसी उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्था में अध्ययन करने का अवसर मिला है। सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, समय की पाबंदी तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व भी सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि सफलता का आधारभूत बिंदु अनुशासन है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना किया साकार : केंद्रीय मंत्री चौहान

■ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रतिदिन 1600 से अधिक आवास हो रहे पूर्ण : केंद्रीय मंत्री चौहान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास के सपने को साकार करने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा। सक्ती में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के राज्यस्तरीय गृह प्रवेश समारोह में 2 लाख नवनिर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से उनके नए घरों की चाबी सौंपी गई।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने नवगठित सक्ती जिले में कृषि विज्ञान केंद्र खोलने तथा बस्तर संभाग में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने की घोषणा भी की। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति संबंधी पत्र मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को सौंपा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मंत्री खुशवंत के बड़े भाई ने थामा कांग्रेस का दामन

■ भूपेश बघेल ने कराया प्रवेश, ढालदास बोले- जनता जानती है कि भाजपा क्या कर रही है

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया। भाजपा सरकार में मंत्री खुशवंत साहेब के बड़े भाई और सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े बेटे ढाल दास ने कांग्रेस का दामन थाम ली। रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीजा-पोरा कार्यक्रम के दौरान उन्हें कांग्रेस में प्रवेश कराया। ढाल दास ने कहा कि जनता भी जानती है कि भाजपा क्या कर रही है। अगर कांग्रेस मुझे मौका देती है तो मैं मुंगेली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहूंगा। पार्टी जहां से मुझे चुनाव लड़ने के लिए चयनित करेगी, मैं वहां से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने से पहले मैंने अपने भाई और पिताजी से बातचीत की थी और उन्हें इस बारे में बताया था। दोनों ने अपनी सहमति दे दी। वहीं उनके भाई मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस हमेशा तोड़ने की नीति से काम करती है।

ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रदेश की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं। उनका परिवार सामाजिक और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में एक ही परिवार के एक सदस्य के भाजपा सरकार में मंत्री होने और दूसरे के कांग्रेस में शामिल होने को सियासी तौर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब का परिवार बाबा गुरु घासीदास की वंश परंपरा से जुड़ा हुआ है। गुरु बालदास के चार बेटे हैं- ढाल दास, सोमेश दास, खुशवंत दास और सौरभ दास। उनकी एक बेटी भी है। इनमें ढाल दास सबसे बड़े बेटे हैं। गुरु परिवार का सतनामी समाज में धार्मिक और सामाजिक प्रभाव माना जाता है। गिरौधपुरी धाम और भंडारपुरी धाम से जुड़े प्रमुख आयोजनों में परिवार की सक्रिय भूमिका रहती है।

इंद्रावती भवन की लिफ्ट में 8 अधिकारी-कर्मचारी आधे घंटे फंसे

■ दम घुटने लगा, सांस लेने में परेशानी, काफी जद्दोजहद के बाद निकाला गया बाहर

रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर के इंद्रावती भवन में शुक्रवार को अचानक लिफ्ट बंद होने से 7-8 कर्मचारी और अधिकारी करीब आधे घंटे तक अंदर फंसे रहे। कर्मचारियों के मुताबिक, बंद लिफ्ट में लंबे समय तक फंसे रहने से दम घुटने जैसा महसूस होने लगा और सांस लेने में भी परेशानी होने लगी। बताया जा रहा है कि लिफ्ट में तकनीकी खराबी आने के बाद वह बीच में ही अटक गई थी। अंदर फंसे कर्मचारी काफी देर तक बाहर निकलने का इंतजार करते रहे। इस दौरान लिफ्ट के अंदर गर्मी और घुटन बढ़ने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। बाहर मौजूद कर्मचारियों ने लिफ्ट खोलने की कोशिश शुरू की। काफी जद्दोजहद के बाद दरवाजा खोला गया और सभी को बाहर निकाला गया। कर्मचारियों का कहना है कि, इंद्रावती भवन की लिफ्ट का लंबे समय से नियमित मेंटेनेंस नहीं हुआ है। रोजाना बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी इस लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। इसके बावजूद लिफ्ट की नियमित जांच और रखरखाव नहीं हो रहा। लिफ्ट में फंसे कर्मचारियों के मुताबिक, अगर लिफ्ट का दरवाजा कुछ और देर तक नहीं खुलता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। बंद जगह में सांस लेने में परेशानी और घुटन के कारण कर्मचारी परेशान हो गए थे। कर्मचारियों का कहना है कि सरकारी भवन में रोजाना इतनी बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं, इसलिए लिफ्ट का नियमित मेंटेनेंस और सुरक्षा जांच जरूरी है।

नौसेना प्रमुख कृष्णा स्वामीनाथन को ऑस्ट्रेलिया में दी गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में गर्मजोशी और पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी विरासत को दर्शाने वाली विशेष स्मोकिंग सेरेमनी के साथ उनका स्वागत किया गया। इस सेरेमनी के साथ ही उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन इन आस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान कैनबरा स्थित रसेल ऑफिसेज में उनका स्वागत किया गया। गौरतलब है कि स्मोकिंग सेरेमनी ऑस्ट्रेलिया की स्वदेशी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण समारोह है। इस पारंपरिक आयोजन के जरिए अतिथि का सम्मान और स्वागत किया जाता है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन संगठनात्मक विषयों पर गहन मंथन

■ बिलासपुर संभाग के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। संगठन सृजन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा बिलासपुर संभाग के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों एवं जिला मास्टर ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन के प्रशिक्षण में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे, ज़रिता लेप्थलॉग, प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेदु, एआईसीसी सचिव राजेश तिवारी, विधायक अटल श्रीवास्तव, पूर्व विधायक शैलेश पांडे, बिलासपुर शहर जिला अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा, बिलासपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की भूमिका को प्रभावी करने तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया और प्रतिभागियों से इनपुट लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से प्रकृति संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश

■ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सक्ती के जेठा में किया पौधरोपण

■ केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने लगाया कदम और मुख्यमंत्री श्री साय ने बादाम का पौधा

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सक्ती जिले के ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कदम का पौधा और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बादाम का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के विस्तार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान मातृ सम्मान की भावना को प्रकृति संरक्षण के संकल्प से जोड़ता है। अभियान के माध्यम से लोगों को अपनी माँ के सम्मान में पौधा लगाने के साथ ही उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पौधरोपण के साथ पौधों की देखभाल और उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी का भाव भी इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

यह अभियान पर्यावरण संरक्षण को केवल शासकीय प्रयास तक सीमित न रखते हुए उसे जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने की पहल है। अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता से हरियाली बढ़ाने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संदेश अभियान के माध्यम से दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से देशभर में नागरिकों को पौधरोपण से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में सक्ती जिले में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान और मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा किया गया पौधरोपण प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देता है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, जिले के प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, बिलासपुर संभागायुक्त श्री सुनील जैन, विकसित भारत जीरामजी के आयुक्त श्री तारण प्रकाश सिन्हा, कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन, पुलिस अधीक्षक श्री प्रफुल्ल ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ श्री वासु जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

लगातार 4 दिन बैंक बंद, हड़ताल पर जा रहे कर्मचारी

नई दिल्ली। बैंक कर्मचारी हड़ताल पर हैं. बैंक यूनियनों ने अपनी कई लंबित मांगों को लेकर हड़ताल बुलाई है, जिसमें 5-डे वर्किंग सिस्टम भी शामिल हैं. आज बैंक से जुड़ी सेवाएं ठप रहेंगी. अगर आपको बैंक से जुड़े किसी काम को निपटाने के लिए ब्रांच जाना है, तो ठहर जाइए! आज बैंक बंद रहेंगे क्योंकि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने देशव्यापी हड़ताल बुलाई है, जिससे बैंक का कामकाज प्रभावित हो सकता है. इसके बाद शनिवार (12 सितंबर) और रविवार (13 सितंबर) को बैंक की छुट्टियां होंगी. कुछ राज्यों में लोगों को अपने बैंक से जुड़े कामों के लिए और भी ज्यादा दिनों का इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि कई जगह गणेश चतुर्थी मौके पर सोमवार और मंगलवार को भी बैंक बंद रहेंगे.

UFBU ने बैंकिंग सेक्टर में सुधारों से जुड़ी अपनी मांगों के तहत हड़ताल का ऐलान किया है. उनकी एक बड़ी मांग यह है कि बैंक हर शनिवार और रविवार को पूरी तरह से बंद रहे. यानी कि हफ्ते में सिर्फ 5 दिन ही वर्किंग हो. उनकी दूसरी मांग परफॉर्मेंस-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की समीक्षा कर विसंगतियों को दूर करना और पहले तय किए गए पेंशन सुधारों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य बीमा से जुड़े प्रावधानों को तुरंत लागू करना है. यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 28 से 30 सितंबर तक 3 दिवसीय देशव्यापी हड़ताल की जाएगी और 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो सकती है.

महाराष्ट्र में ट्रक-बोलेरो भिड़े, 3 बच्चों समेत 8 की मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सडक़ के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया।

विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं, तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश में जनसुविधा से जुड़े विकास एवं निर्माण कार्यों को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित निगरानी करें और जहां भी कार्य की गति धीमी है, वहां बाधाओं को तत्काल दूर कर काम में तेजी लाएं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकास कार्यों में देरी का सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ता है। विशेष रूप से सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों में समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में लेटलतीफी को गंभीरता से लिया जाएगा और अनावश्यक विलंब के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत खामभाठा क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के कारण स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी मिलते ही इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने गरियाबंद कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और निश्चित समयसीमा तय कर पुल का निर्माण गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही लेटलतीफी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण पूरा होने तक स्कूली बच्चों और क्षेत्रवासियों को किसी भी परिस्थिति में जोखिम उठाकर आवागमन न करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन तत्काल सुरक्षित और सुगम वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्माणाधीन पुल स्थल पर सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध तत्काल करने के निर्देश दिए। उन्होंने खुले एवं खतरनाक तरीके से लगे सरियों को सुरक्षित करने, गहरे गड्ढों और अन्य जोखिमपूर्ण स्थानों को दुरुस्त करने तथा आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग सहित सभी जरूरी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा।मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण में आ रही बाधाओं का तत्काल समाधान किया जाए और कार्य में तेजी लाई जाए। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि स्वीकृत विकास कार्यों का लाभ नागरिकों को निर्धारित समय पर मिले। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुविधा और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में तीसरा स्थान

रायपुर (विश्व परिवार)। चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल में 07 से 09 सितम्बर 2026 तक आयोजित 16वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2026-27 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य सहित कुल 5 पदक अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 13 रेलवे जोन की पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया।इस चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से कुल 10 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 6 रिकर्व (3 पुरुष एवं 3 महिला) तथा 4 कंपाउंड (1 पुरुष एवं 3 महिला) तीरंदाज शामिल थे।महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में माधवी चौहान, मधु वेदवान एवं वितासा ठाकुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला 5-3 सेट प्वाइंट से जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में माधवी चौहान एवं पवन की जोड़ी ने भी फाइनल में 5-3 सेट प्वाइंट से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी हासिल किए। महिला व्यक्तिगत रिकर्व 70 मीटर ओवरऑल स्पर्धा में माधवी चौहान ने 640 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। महिला व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड में वितासा ठाकुर ने 6-4 सेट प्वाइंट से जीत दर्ज कर कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में पवन, जसकीरत सेखों एवं शिवनाथ नागेशिया की टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में 6-0 से शानदार जीत दर्ज कर कांस्य पदक हासिल किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीरंदाजों का यह प्रदर्शन रेलवे स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उनकी निरंतर उत्कृष्टता, मेहनत और खेल प्रतिभा को दर्शाता है। 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त करना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

महाप्रबंधक, श्री तरुण प्रकाश, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्रीड़ा संघ (सेक्रसा) के पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी राष्ट्रीय एवं अन्य उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं भी दी हैं।

IFAT इंडिया में नवाचारों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

रायपुर (विश्व परिवार)। विगत दिनांक 9 से 11 सितंबर 2026 तक मुंबई में आयोजित ढ्ढस्नञ्ज इंडिया 2026 में रायपुर नगर पालिक निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी स्वच्छता एवं सतत शहरी विकास के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों और नवाचारों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में रायपुर नगर पालिक निगम की ओर से अपर आयुक्त श्री विनोद कुमार पांडेय एवं स्वच्छ भारत मिशन के कार्यपालन अभियंता श्री योगेश कडु ने सहभागिता करते हुए विभिन्न तकनीकी सत्रों, प्रदर्शनी और विचार-विमर्श कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

IFAT इंडिया को पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच माना जाता है।* इस अवसर पर रायपुर नगर निगम अधिकारियों ने अनेक आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारपूर्ण समाधानों का अध्ययन किया, जिन्हें भविष्य में रायपुर शहर में आवश्यकता एवं व्यवहार्यता के आधार पर लागू किया जा सकता है।रायपुर नगर पालिक निगम अधिकारियों द्वारा अध्ययन किए गए प्रमुख तकनीकी समाधानों में नदियों एवं जल निकायों में तैरते हुए कचरे को रोकने के लिए फ्लोटिंग ट्रैश बैरियर, जल स्रोतों की वास्तविक समय में निगरानी हेतु जल गुणवत्ता सेंसर आधारित मोबाइल मॉनिटरिंग प्रणाली।

भाजपा सरकार ने सड़कों को गड्ढों में बदल दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि साय सरकार के कुशासन ने छत्तीसगढ़ की सड़कों को गड्ढों में और विकास के दावों को जुमलों में बदल दिया है। शहरों से लेकर गांवों तक सड़कों के गड्ढे तालाब बन चुके हैं। जनता टैक्स दे रही है, लेकिन बदले में उसे धूल, कीचड़, गड्ढे और जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी को हजारों करोड़ रुपये का बजट मिला, फिर सड़कों की यह हालत क्यों? पैसा आखिर गया कहां? सरकार को इसका हिसाब प्रदेश की जनता को देना होगा। भाजपा सरकार बताए कि सड़क, पुल और पुलियों के नाम पर जारी हजारों करोड़ रुपये का कितना पैसा जमीन पर लगा और कितना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा?

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि नए निर्माण की हालत यह है कि कई जगह पुल-पुलियों के स्लैब उद्घाटन से पहले ही गिर रहे हैं या पहली बारिश में उनकी गुणवत्ता की पोल खुल जा रही है। खराब सड़को के कारण ग्रामीणों को अस्पताल, स्कूल, बाजार और बैंक तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में टूटी पुलिया और अधूरे रपटा के कारण स्कूली बच्चों, महिलाओं और किसानों को जान जोखिम में डालकर उफनता नाला पार करना पड़ रहा है। बच्चों को कंधे पर बैठाकर स्कूल पहुंचाने की तस्वीरें भाजपा सरकार में इसे ही सुशासन कहते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि पिछली बारिश के बाद सरकार ने दावा किया था कि प्रदेश के जो 10,000 किलोमीटर की खराब सड़के हैं वह दिसंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा हकीकत यह है कि आज भी वह 10,000 किलोमीटर सड़क खराब है और बची खुची सड़कों में भी गड्ढे नजर आ रहे हैं।

नाम परिवर्तन

मैं, **कुनाल कोसरिया पिता श्री चंदन कोसरिया** गांव / शहर - **सतनामी पारा, कृषक नगर, लाभांडी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** ने अपना नाम कुनाल कोसरिया (KUNAL KOSARIY) पिता श्री चंदन कोसरिया (SHRI CHANDAN KOSARIYA) (पुराना नाम) से बदलकर कृणाल कोसले (KRINAL KOSLE) पिता श्री चंदन कोसले (SHRI CHANDAN KOSLE) (नया नाम) रख लिया है।अत: आज से मुझे समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम कृणाल कोसले पिता श्री चंदन कोसले से जाना व पहचाना जावें।

रायपुर, छत्तीसगढ़

दिनांक :

हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35259/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35259
वार्ड का नाम- 2 -पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G02368** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M.U. AHMAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.H. FAROOQUI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PUNAM JAISWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PUNIT JAISWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35256/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35256
वार्ड का नाम- 2 -पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K01317** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHRI BHUPENDRA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HORILAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI SWARNIM SHAH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SURENDRA SHAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 435 दिनांक 10.09.2026
वार्ड का नाम- लाल बहादुर शात्री वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2026-27

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 13 मांग **पंजी क्र. 11 युआईडी 15936** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रमेश देवांगन / धरम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राकेश देवांगन/रमेश कुमार देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **25-09-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल** द्वारा कॉलोनी **बोरियाकला, रायपुर** में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. फ्लैट क्र.-577 ब्लॉक नं.-37 भूतल, श्रीमती आरोश्री रॉय पति श्री संदीप कुमार दास,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश **क्र. 2645 दिनांक** 14.06.2010 के माध्यम से भाडाक्रय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक** 16.01.2014 को सेलडीड निष्पादित करा लिया गया है, वर्तमान में आबंटी **श्रीमती आरोश्री रॉय पति श्री संदीप कुमार दास निवासी- म.नं.-17, आकृति काम्पलेक्स, जैनम विहार के पास लालपुर रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा नियुक्त आम मुख्त्यार **श्री सपन कुमार रॉय पिता श्री प्रफुल्ल कुमार रॉय निवासी- म.नं.-17, आकृति काम्पलेक्स, जैनम विहार के पास लालपुर रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती अनीता फुंडे पति श्री ओमप्रकाश फुंडे, निवासी- म.नं.-12/1184, रमन मंदिर वार्ड नं.-21, फाफाडीह रायपुर (छ.ग.),** के पक्ष में विक्रय करना चाहते है। विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति, शपथ पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमती अनीता फुंडे पति श्री ओमप्रकाश फुंडे, के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ **गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी सेजबहार-02,** जिला- रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत भवन क्रमांक **एल.आई.जी. (ब्रांज)-159, श्रीमति अंजली विश्वास पति श्री विद्युनाथ विश्वास** के नाम पर इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक 508 दिनांक** 06.02.2017 को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण राशि जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक** 25.10.2021 को लीजडीड निष्पादित कर इस कार्यालय पत्र **क्रमांक** 3158 **दिनांक** 22.11.2021 को आधिपत्य आदेश प्राप्त किया जा चुका है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का **दिनांक** 05.09.2024 को हस्तांतरण विलेख (फ्री होल्ड) करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को आबंटी **श्रीमति अंजली विश्वास पति श्री विद्युनाथ विश्वास, पता- म.न. ए/15, सेक्टर-01, एकता नगर गुढियारी, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)** द्वारा **श्रीमति डॉली मिश्रा पति-स्व. श्री विवेक मिश्रा, पता- हनुमान मंदिर के पास, बुनगा, रायगढ़ (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक** 20.08.2026 को विक्रय कर दिया गया है, क्रेता **श्रीमति डॉली मिश्रा पति-स्व. श्री विवेक मिश्रा, पता- हनुमान मंदिर के पास, बुनगा, रायगढ़ (छ.ग.)** द्वारा भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन का फ्री-होल्ड पश्चात् नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35333/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35333
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR223A00071** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SURESH PATANI S/O VIMALCHAND PATANI, RINKI PATANI W/O SURESH PATANI,RITU PATANI W/O NARESH PATANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रेखा जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री राजेश कुमार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35330/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35330
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR222A00077** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KABIZ:SAVITA BEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री राजेश कुमार राठौड़ 2 श्री सतीश कुमार राठौड़ दोनों पिता - स्व. जयंती लाल राठौड़** पिता/पति, श्री/श्रीमती ....ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सत्यापन, मृत्यु प्रमाण पत्र, नजूल पट्टा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी **गुढियारी रायपुर** में निर्मित जनता योजना में से भवन **क्र.- जनता-245, सुश्री टी. सरोजनी पिता स्व. श्री टी. चिट्टी बाबू** को भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक** 01.09.1994 को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है।

मूल आबंटी / नामांतरी की मृत्यु **दिनांक** 14.07.2026 को हो जाने के कारण इनके वारिस (भतीजी) **श्रीमती जयश्री अनिकेत नायडू पति श्री अनिकेत नायडू** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन **श्रीमती जयश्री अनिकेत नायडू पति श्री अनिकेत नायडू** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड / भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35335/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35335
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819C0427C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANIL AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE RAMRATAN AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SIDDHANT AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI ANIL AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35337/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35337
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819C0427B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANIL AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE RAMRATAN AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SIDDHANT AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI ANIL AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./ 35295/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35295
वार्ड का नाम-37- शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR516E00133** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SSUKALU, SHYAMLAL, MASHUDUNDA, SONALAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PUNARAM , CHAITRA RAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती उत्तरी कोठले** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री राजेश कोठले** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35296/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35296
वार्ड का नाम-37- शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR516E00175** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAXMIKANT SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1.SHRIMATI SANTOSHI DHIMAR 2. BEENA DHIMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1.SHRI NANDU DHIMAR 2.SHRI CHHABI LAL DHIMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35252/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35252
वार्ड का नाम-36- तात्यापारा पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738B00681** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOTIRAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PURURAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANOHAR LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MOTIRAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, हस्तांतरणनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35329/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35329
वार्ड का नाम-24 - सरदार वल्लभाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818A00541** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ITAVARI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHHEDILAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती मोन्टी साहू पति गोवर्धन साहू 2 गोवर्धन साहू पिता शत्रुहन साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35261/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35261
वार्ड का नाम-23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812D0513A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ATUL SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **OMPRAKASH SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HABIB AHMED** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAZIR AHMED** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

लापरवाह हाईवा ट्रेलर का चालक धड़ाधड़ मारी स्कूटी एवं टेंपो में जबरदस्त ठोकर ऑटो चालक गंभीर कॉलोनी वासियों ने किया 2 घंटा चक्का जाम

कलेक्टर को कॉलोनी की सड़क से भारी भरकम वाहनों पर रोक लगाए जाने ज्ञापन सौंपा

चार मासूम बच्चियों पर घर चलाने का आया बोझ पढ़ाई छूटने की प्रबल संभावना

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार आज बिश्रामपुर बड़गांव जान वाले कॉलोनी मार्ग पर रामनगर की ओर से आ रही है खाली हाईवे ट्रेलर ने नगर पंचायत बिश्रामपुर के समीप टेंपो एवं स्कूटी को जबरदस्त ठोकर मार दी जिससे टेंपो चालक 45 वर्षीय धर्मेंद्र मौर्य का कमर के नीचे दोनों पर बुरी तरह से जगह-जगह क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे उन्हें गंभीर अवस्था में जिला मुख्यालय सूरजपुर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है वही आक्रोशित नगर वासियों ने भटगांव बिश्रामपुर सड़क मार्ग को 2 घंटा जाम कर दी जिससे सड़क की दोनों तरफ वाहनों कि लंबी कतारे लगी रही। सूचना मिलते ही पिलखा नायब तहसीलदार श्रीमती मीना सिंह आंदोलनकारी को समझाते हुए उन्हीं के साथ जमीन पर बैठकर आंदोलन समाप्त करने एवं अपनी माँग रखने की अपील की । आंदोलनकारी का नेतृत्व कर रहे है पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता राजेश यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता आशीष यादव, भाजपा नेता इंजीनियर विनय सिंह, एल्डर मैन अवनीश सिंह विधायक,पार्षद अमरेश कुमार , पूर्व पार्षद जेपी यादव, भाजपा नेता दीनानाथ सिंह यादव, पार्षद पिंटू यादव आदि ने काफी संख्या में कॉलोनी वासी का नेतृत्व करते हुए नायब तहसीलदार की माध्यम से कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंप कर इस मार्ग से सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारी भरकम वाहनों पर हमेशा के लिए रोक लगाई जाने की मांग की संबंधित ज्ञापन सौंपा तथा एक सप्ताह के अंदर पूर्णता भारी वाहनों पर रोक न लगाए जाने पर चक्का जाम करने की चेतावनी भी दी। नायब तहसीलदार पिलखा श्रीमती मीना सिंह ने आंदोलनकारी की मांग को सूरजपुर कलेक्टर के समक्ष रखकर समस्या निदान करने का आश्वासन दिया तब जाकर चक्का जाम समाप्त हुआ।

कलेक्टर को प्रेषित ज्ञापन में कॉलोनी वासियों ने रखी प्रमुख मांगे- सूरजपुर कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में आंदोलनकारी ने उल्लेख किया है कि विश्रामपुर के चोपड़ा कॉलोनी में सड़क दुर्घटना में दोनों पांव बुरी तरह से गंवाने वाले टेंपो चालक धर्मेंद्र मौर्य का हालत देखते हुए उन्हें आर्थिक एवं स्वास्थ्य लाभ की सभी व्यवस्था जल्द प्रदान करने तथा नगर से कोयला एवं फ्लाई ऐश परिवहन करने वाले भारी वाहनों के आवागमन को पूर्णतः बंद की जाए।

उक्त आवेदन में उल्लेख किया गया है कि आज लापरवाह ट्रेलर ने विश्रामपुर की चोपड़ा कॉलोनी में धर्मेंद्र मौर्य नामक टेंपो चालक को जबरदस्त ठोकर मार दी जिससे गंभीर हो गया इस दुर्घटना में उनके दोनों पर जगह-जगह टूट गया जो अब जोड़ना मुश्किल है घर का गाड़ी चलाना मुश्किल हो गया है ऐसी स्थिति में उसके परिवार के समक्ष आर्थिक एवं बच्चों की शैक्षणिक व्यवस्था पर संकट आ गया है।

पीड़ित को प्रशासन की ओर से तत्काल त्वरित सहायता राशि प्रदान करने की जाती है तो उसके बच्चों का भविष्य एवं परिवार पर प्रशासन का उपकार होगा।साथ ही विश्रामपुर नगरवासियों द्वारा लंबे समय से कोयला एवं फ्लाई ऐश का परिवहन करने वाले भारी वाहनों के नगर के अंदर से आवागमन को पूर्णतः बंद करने की मांग की जाती रही है। इन भारी वाहनों के अत्यधिक आवागमन से आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है तथा आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। इसके अतिरिक्त सड़क पर धूल, प्रदूषण एवं यातायात संबंधी समस्याओं से भी नगरवासी परेशान हैं। आज की गंभीर दुर्घटना ने इस समस्या की गंभीरता को पुनः सामने ला दिया है।

नगरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोयला एवं फ्लाई ऐश परिवहन करने वाले भारी वाहनों के विश्रामपुर नगर के अंदर से आवागमन पर पूर्णतः रोक लगाने हेतु तत्काल आवश्यक आदेश जारी करने की कृपा करें।

घर का मुखिया का जख्मी हो जाने से परिवार का भरण पोषण पर गहरा शंकट- उस दुर्घटना ने परिवार का भरण पोषण करने वाले मुखिया धर्मेंद्र मौर्य अपना दोनों पर घूम चुके हैं जिनका जिला चिकित्सालय सूरजपुर में इलाज चल रहा है परिजनों ने बताया कि चोपड़ा कॉलोनी में फूलों की चार्ट का दुकान लगाकर अपना परिवार का पोषण कर रहा है दो-तीन महीना पहले टेंपो कर दी थी और इस स्कूली बच्चों को लाना ले जाना करते थे आज बच्चों को स्कूल छोड़कर वापस आ रहे थे की ट्रेलर चालक रोशन सिंह आत्मा के समारोह सिंह निवासी खर सुरा ने लगभग 12:30 बजे टेंपो चालक को बुरी तरह से ठोकर मार कर जख्मी कर दी जिससे टेंपो की क्षतिग्रस्त हो गई और टेंपो चालक धर्मेंद्र मौर्य बुरी तरह जख्मी हो गए जिससे उनके चार बच्चियो का लालन पालन पढ़ाई लिखाई पर गहरा शंकट छा गया है। उनकी बच्चियो में कुमारी संध्या 20 वर्ष आरती 16 वर्ष रोशनी 13 बार सुहानी 9 वर्ष की घटना से बुरी तरह से सहमी एवं डरी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अंधे मोड़ पर सुरक्षा की दरकार, सड़क किनारे पेड़ की कटाई और दोनों ओर स्पीड ब्रेकर की मांग

जगदलपुर। गणपति के आगे गुरयाभार नाला के पास सड़क पर बना अंधा मोड़ राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकता है। स्थानीय लोगों ने इस स्थान पर सड़क किनारे मौजूद पेड़ की आवश्यकतानुसार कटाई करवाने तथा मोड़ के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अंधे मोड़ के कारण सामने से आने वाले वाहन आसानी से दिखाई नहीं देते। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेषकर रात के समय स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर सड़क किनारे बाधक पेड़ की कटाई, दोनों ओर स्पीड ब्रेकर तथा आवश्यक चेतावनी संकेतक लगाए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

चाकू लहराकर युवक को दी जान से मारने की धमकी, बस्तर पुलिस ने आरोपी को दबोचा

जगदलपुर। शहर के कुम्हारपारा इलाके में नशा करने से मना करने पर एक युवक द्वारा चाकू लहराकर धमकाने और मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद बोधघाट पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, कुम्हारपारा निवासी कुरसो सोना ने थाना बोधघाट में शिकायत दर्ज कराई कि 10 सितंबर की सुबह उसके ऑटो के पीछे रोनित बघेल उर्फ खरगोश नशा कर रहा था। उसे नशा करने से मना करने पर आरोपी कथित रूप से गाली-गलौज करने लगा और बांस के डंडे से मारपीट कर चोट पहुंचाई। आरोप है कि इसके बाद युवक ने अपने पास रखा धारदार चाकू निकालकर लहराया और जान से मारने की धमकी देते हुए शिकायतकर्ता को डराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बोधघाट पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने आरोपी रोनित बघेल उर्फ खरगोश (20 वर्ष), निवासी कुम्हारपारा, गुरु घासीदास वार्ड, जगदलपुर को पकड़कर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने घटना करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसके कब्जे से धारदार चाकू जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनन्दन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार दत्ता धोत्रे के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में की गई।

माय भारत युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बिलासपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) बिलासपुर द्वारा क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र, सरकंडा में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के समापन समारोह में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमता का सकारात्मक दिशा में उपयोग कर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, कोरिया एवं एमसीबी जिले के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, टीम भावना, सकारात्मक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका की भावना विकसित करना रहा।

दिल्ली में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से मिले बस्तर सांसद महेश कश्यप, जाना स्वास्थ्य का हाल

संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण प्रेरणादायी : महेश कश्यप

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से छत्तीसगढ़ भवन में मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना तथा शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। इससे पूर्व भी बस्तर संभाग के सांसदों ने मेदांता अस्पताल पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना था।

उल्लेखनीय है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव हाल जुलाई माह में सड़क हादसे में घायल हुए थे। उनका दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल में उपचार चला,जिसके बाद चिकित्सकीय सलाह पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। वर्तमान में वे चिकित्सकों की सलाह के अनुसार छत्तीसगढ़ भवन में बेड रेस्ट पर हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित प्रदेश सरकार के मंत्री,सांसद एवं विधायक लगातार उनसे मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव स्वास्थ्य लाभ लेते हुए बेड रेस्ट पर हैं,लेकिन संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण आज भी प्रेरणादायी है। वे स्वास्थ्य लाभ के दौरान भी संगठन की बैठकों,कार्यशालाओं और आगामी गतिविधियों को लेकर फोन कॉल एवं वीडियो कॉल के माध्यम से लगातार कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद कर रहे हैं तथा आवश्यक मार्गदर्शन दे रहे हैं। उनका यह समर्पण हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हम सभी उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामाश्रय सिंह,बलदेव मंडावी,कामदेव बघेल,वनवासी मौर्य एवं सतीश बाजपेयी उपस्थित रहे।

आश्रमों की तस्वीर दावों पर सवाल खड़े कर रही

भोजन से लेकर राजमर्रा की जरूरतों और रात की सुरक्षा व्यवस्था तक कई स्तरों पर अव्यवस्था

राजेश दनानी

जगदलपुर। आदिवासी विकास विभाग के आश्रमों और छात्रावासों में रहने वाले बच्चों की सुविधाओं और सुरक्षा को लेकर अंदरू नी इलाकों के आश्रमों की तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। लोहंडीगुड़ा और बस्तर ब्लॉक के अंदरूनी क्षेत्रों में सचांलित आश्रमों का जायजा लिया गया तो बच्चों के भोजन से लेकर राजमर्रा की जरूरतों और रात की सुरक्षा व्यवस्था तक कई स्तरों पर अव्यवस्था सामने आई है। आश्रमों में बच्चों के लिए सात दिनों के हिसाब से भोजन का मेनू निर्धारित है इसका उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराना है लेकिन पड़ताल में यह सवाल सामने आया कि क्या निर्धारित मेनू के अनुसार वास्तव में बच्चों को थाली तक भोजन पहुंच रहा है? ककनार,चंदेला और महिमा आश्रम को लेकर स्थनीय स्तर पर व्यवस्थाओं और बच्चों को मिले वाली सुविधाओं पर सवाल उठ रहे है। यदि मेनू केवल कागजों तक सीमित रह जाए तो इसका सीधा असर उन बच्चों पर पड़ता है जिसके लिए शासन यह व्यवसथा संचालित कर रहा है।

मामला सिर्फ भोजन तक सीमित नहीं है। बच्चों को उपलब्ध कराई जाने वाली रोजमर्रा की जरूरती सामग्री, तेल, साबुन और टूथपेस्ट आदि को लेकर भी हर महीने कटौती के आरोप सामने आ रहे है। सवाल यह है कि बच्चों के नाम जारी होने वाली सामग्री की वास्तविक मात्रा क्या है और इसका इस्तेमाल कहां हो रहा है? इन सामानों के वितरण और स्टॉक का नियमित भौतिक सत्यापन कितना होता है,यह भी जांच का विषय है। आश्रमों की सबसे गंभीर तस्वीर रात की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सामने आती है कई बालक आश्रमों में शाम ढलने के बाद अधीक्षक की भूमिका बदल जाती है। जिम्मेदार अधिकारी की मौजूदगी के बजाय चौकीदार और चपरासी जैसी व्यवस्थाओं के भरोसे आश्रम छोड़ दिए जाने की स्थिति बनती है। कई आश्रमों में रात के समय अधीक्षक के नदारत रहने की बात भी सामने आई है।

मोहनपुर-आमाझरिया मार्ग पर झींक नदी में पुल निर्माण का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण

झींक नदी पर 120 मीटर लंबे पुल निर्माण के लिए 69 लाख रुपए का प्रावधान वर्षा ऋतु के पश्चात झींक नदी पर पुल निर्माण के लिए बोरिंग कार्य होगा शुरू

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला सूरजपुर के मोहनपुर भोटकेलापारा से आमाझरिया मार्ग पर झींक नदी पर पुल नहीं होने के संबंध में कार्यपालन अभियंता ने जानकारी दी है कि झींक नदी पर पुल निर्माण कार्य लम्बाई 120.00 मी. कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के मूल बजट में मांग संख्या 42/5054 (4149) योजना अन्तर्गत पुलो का निर्माण कार्य बजट मद क्र. 5658 अन्तर्गत 69.00 लाख रुपए की राशि प्रावधान के साथ सम्मिलित है। उक्त कार्य का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वर्षाऋतु पश्चात् बोरिंग कार्य पूर्ण कराकर जी.ए.डी. एवं विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर उच्च कार्यालय से अनुमोदन कराकर प्रशासकीय स्वीकृति की कार्यवाही हेतु शासन को प्रेषित किया जाएगा। प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत ही कार्य की निविदा कर कार्य प्रारभ किया जा सकेगा।

तेज धार में बह गया युवक, पैरी नदी के एनीकट में मचा हड़कंप

मोटरसाइकिल से कोपरा-डुमरपाली एनीकट पार करने के दौरान हादसा, 14 किलोमीटर तक चला रेस्क्यू अभियान

गरियाबंद (विश्व परिवार)। पैरी नदी के तेज बहाव ने शुक्रवार सुबह एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। नगर पंचायत कोपरा से धमतरी जिले को जोड़ने वाले कोपरा-डुमरपाली एनीकट को मोटरसाइकिल से पार करने के दौरान युवक अचानक तेज धार में बह गया। युवक कुछ देर नदी के बीच रेत के घाट पर फंसा रहा और बचाने के लिए आसपास मौजूद लोगों से आवाज लगाकर मदद मांगता रहा, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि देखते ही देखते वह नदी की धार में ओझल हो गया। घटना सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है। युवक के बहने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने युवक को बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी के बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही पाण्डुका पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की।

कोपरा से चौबेबंधा तक 14 किलोमीटर तलाश- रेस्क्यू टीम ने पैरी नदी में कोपरा से चौबेबंधा तक करीब 14 किलोमीटर क्षेत्र में सघन तलाश अभियान चलाया। पाण्डुका के साथ मगरलोड पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नदी के अलग-अलग हिस्सों में युवक की खोज की गई। हालांकि देर शाम तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान रोक दिया गया। टीम शनिवार को दोबारा तलाश अभियान शुरू करेगी।

सिकासार और सोढ़ूर जलाशय से छोड़ा गया पानी- लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि सिकासार और सोढ़ूर जलाशय से पैरी नदी में पानी छोड़े जाने के कारण नदी का बहाव काफी तेज है। इसी तेज धार के बीच युवक एनीकट पार करने की कोशिश कर रहा था। अचानक पानी की चपेट में आने से वह बह गया।

युवक की पहचान अब तक नहीं- हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस एवं प्रशासन की टीम लगातार युवक की तलाश में जुटी है। फिलहाल बहने वाले युवक की पहचान नहीं हो सकी है। तेज बहाव और बढ़े जलस्तर के चलते रेस्क्यू टीम को तलाश अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

संपादकीय

मीडिया कवरेज का अनुरोध

मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग-जाहिर है। इसलिए भारत का प्रेस कांफ्रेंस ना रखने का अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। कूटनीतिक स्तर पर हुए संदेशों के आदान-प्रदान की सार्वजनिक चर्चा कर अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जताया है कि ट्रंप काल में अमेरिका के मन में भारतीय नेतृत्व के प्रति कितनी बेकद्री भरी हुई है। जो उन्होंने बताया, उनसे यह और भी स्पष्ट हुआ। यह सवाल भारत सरकार से पूछा जाएगा कि आखिर यह स्थिति उसने क्यों बनने दी है? भारत में अमेरिकी राजदूत गोर ने एक कार्यक्रम में बताया कि जून में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वहां जाने का कार्यक्रम बना, तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने अनुरोध किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी मुलाकात की तस्वीरें लेने की अनुमति दी जाए, लेकिन सवाल-जवाब वाली पूरी कॉन्फ्रेंस ना रखी जाए। गोर ने यह नहीं कहा, लेकिन अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत की इस शर्त पर अमेरिका सहमत हुआ। लेकिन मुलाकात के बाद मोदी और डॉनल्ड ट्रंप मीडिया के सामने आए, तो शुरुआती बयान पूरा होते ही ट्रंप ने वहां मौजूद पत्रकारों से खुद ही पूछ लिया कि क्या कोई सवाल है? उसके बाद वे 45 मिनट तक सवालों के जवाब देते रहे, जबकि मोदी खामोश बैठे रहे। इस खुलासे से बनी असहज स्थिति के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि किसी शीर्ष नेता के विदेशी दौरों से पहले मीडिया में उनकी उपस्थिति के प्रारूप को लेकर संबंधित देशों के बीच चर्चा होना 'मानक प्रोटोकॉल' है। भारतीय पक्ष ने अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार ही मीडिया कवरेज का अनुरोध किया। मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग-जाहिर है। इसलिए भारत की तरफ से ऐसा अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। अपेक्षित था कि ट्रंप के उस व्यवहार पर भारत सरकार तुरंत सार्वजनिक विरोध जताती। मगर ऐसा नहीं किया गया। अब घरेलू जनमत को संभालने के लिए 'सरकारी सूत्रों' से ब्रीफिंग कराई गई है कि मीडिया के सामने विदेशी नेताओं के साथ ट्रंप के 'अप्रत्याशित व्यवहार' के कारण उपरोक्त अनुरोध किया गया। इस बात में सच्चाई हो सकती है, लेकिन असल मुद्दा उस अनुरोध के प्रति का ट्रंप का रहा व्यवहार है।

आलेख

सो, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए लंबी नहीं

हरिशंकर व्यास

आनंद फिल्म में हीरो का एक लाजवाब वाक्य है, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। और मेरे हिसाब से भारत के प्रधानमंत्रियों को परखने का भी यह एक सत्व-तत्व है। लालबहादुर शास्त्री, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल लंबा नहीं हुआ मगर बड़ा था। शास्त्री ने 1965 के युद्ध की चुनौती में ठोस लीडरशिप से वह कमाल किया, जिसने देश के मनोबल को ऊंचाई दी। नरसिंह राव मौनी थे, पर पंजाब, कश्मीर, उत्तर-पूर्व में अलगाववाद और आतंकवाद की कमर दृढ़ता से तोड़ी तो आर्थिक सुधारों और कूटनीति से वह दिशा बनाई, जिससे हिंदू विकास दर की जड़ता खत्म हुई। ऐसे ही वाजपेयी हों या डॉ. मनमोहन सिंह, इन्होंने देश और पूरे समाज को साथ लेकर चलने की कोशिश की। अमेरिका से परमाणु करार कर भारत का दशकों पुराना परमाणु अछूतपन खत्म किया। भारत दुनिया की तेजी से उभरती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा। पर इनमें से एक भी प्रधानमंत्री ने (या नेहरू, इंदिरा गांधी, मोरारजी आदि किसी ने भी) अपनी सत्ता के पांच, दस, पंद्रह साल होने का तमाशा नहीं बनाया। अपना कीर्तन नहीं करवाया। सत्ता को नौटंकी नहीं बनाई। देश को विश्व राजनीति में लुढ़कता लोटा नहीं बनाया, बल्कि अपनी बुद्धि, वाणी और गरिमा से भारत की पहचान बनवाई। जबकि नरेंद्र मोदी के लंबे पच्चीस साला पावर में क्या ऐसा एक भी बड़ा काम है? क्या उनके कार्यकाल से भारत की संस्थागत क्षमता, उत्पादकता या सामाजिक शक्ति की श्रीवृद्धि हुई या उलटे बरबादी हुई? बतौर मुख्यमंत्री उनका गुजरात मॉडल हो या बतौर प्रधानमंत्री 'अच्छे दिन', अमृतकाल, विकसित भारत जैसे सैकड़ों जुमले, किसी भी एक की असलियत, गहराई और परिणामों को यदि जांचें तो अल्टीमेटली वही सत्य उभरेगा, जिनसे उनका कार्यकाल सुधीजनों से चिह्नित हुआ है। हां, लालकृष्ण आडवाणी ने अप्रैल 2014 में कहा था मैं नरेंद्र भाई को अपना चेला नहीं कहूंगा, लेकिन मैंने उनसे अधिक प्रतिभाशाली और कुशल इवेंट मैनेजर कभी नहीं देखा। अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अप्रैल 2002 को अहमदाबाद में मोदी को राजधर्म याद कराते हुए कहा था, 'राजा और शासक के लिए प्रजा-प्रजा में भेद नहीं हो सकता, न जन्म के आधार पर, न जाति के आधार पर, न संप्रदाय के आधार पर'। एक और उदाहरण 'इंडिया टुडे' पत्रिका की गुजरात चुनाव जीतने के बाद की यह कवर स्टोरी है, 'मास्टर डिवाइडर' (6 जनवरी 2003)। फिर मोदी ने दिल्ली में सत्ता संभाली तो अरुण शौरी का यह अविस्मरणीय कथन सुनाई दिया कि सरकार आर्थिकी नहीं चला रही है, बल्कि वह हेडलाइंस का प्रबंधन कर रही है। फिर नोटबंदी हुई तब अरुण शौरी ने उसे अब तक की सबसे बड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग स्कीम और बेवकूफी भरा झटका कहा था। चार अलग समय, अलग संदर्भ और अलग-अलग वर्णन, राजधर्म, मास्टर डिवाइडर, इवेंट मैनेजर और हेडलाइन मैनेजमेंट। पच्चीस साल बाद इनमें से कौन-सा वर्णन अप्रासंगिक हुआ? पूरे पच्चीस वर्षों की यही पहचान है। बावजूद इसके नरेंद्र मोदी थकते नहीं हैं। उनका शो, तमाशा कभी ठिठकता या रुकता नहीं। और मैं क्योंकि नरेंद्र मोदी का प्रारंभ से प्रत्यक्षदर्शी हूं तो इस मजेदार रियलिटी को भी जानें। गुजरात के सीएमओ का प्रशासन जब पीके मिश्रा, कैलाशनाथन, एपी शर्मा जैसे अफसर संभालते थे, तब भी नरेंद्र मोदी जनसंपर्क अधिकारी जगदीश ठक्कर के साथ बैठकर प्रेस रिलीज बनवाते थे और 'गुजरात समाचार', 'संदेश' आदि में हेडलाइन प्रबंधन स्वयं संभालते थे। दिल्ली आए तो वे जगदीश ठक्कर को भी साथ ले कर आए। तब उनकी प्राथमिकता समाचार पत्र थे। फिर टीवी हुआ। ठक्कर की मृत्यु के बाद मोदी ने हीरेन जोशी को आगे किया। राष्ट्रीय मीडिया को मोदी दुकान बनाया। अखबार, टीवी चैनलों की क्रेडिबिलिटी खत्म हुई तो सोशल मीडिया का प्रबंधन शुरू हुआ। और अब वक्त इंस्टाग्राम का है तो रील्स बना कर अपना मुखड़ा युवाओं के गले उतार रहे है। मंच बदला, माध्यम बदला पर मोदी की मूल राजनीति और शासन की कला याकि हेडलाइन और नैरेटिव पर नियंत्रण को तनिक भी नहीं भूला। लगता है अब पच्चीस साला मोदी मॉडल आउटडेटेड हो रहा है। सब मैनेज हो गया है। मगर रील्स देखते, मीम बनाते, सवाल पूछते और सत्ता का मजाक उड़ाते नए युवाओं का क्या करें?

भूमिगत संरचना का मानचित्रण: संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के ज़रिए किस प्रकार आईसीएआर की 'मृदा आसूचना' भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फ़िज़िकल (भौतिक) और फ़िजिटल (फ़िजिकल+डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है। बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं—विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है: नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और वह उखड़ने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआरङ्कराष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया है: मृदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उपलब्ध मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एक्स-रे दृष्टि प्रदान कर रहा है—यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है।

गति और विस्तार की अनदेखी की गई चुनौतियां

भारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6त्न तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिनकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक सार्वजनिक और निजी पार्कों में कुल ग्राउंड-माउंटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है। इन विशाल कार्यों में शामिल कई सरकारी और निजी एजेंसियां—चाहे वे भूमिगत संचार लाइनों को बिछाने, विद्युत पारेषण टावर खड़े करने या विशाल सौर संरचनाओं को आधार प्रदान करने का काम कर रही हों—सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। फिर भी, पारंपरिक प्रारंभिक भू-तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूँकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं या सीमित कर दी जाती हैं। इसका परिणाम? अनिश्चित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलीदाताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम।

कृषि-अवसंरचना संबंध

आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी ने इस सूचना-अंतराल को एक प्रमाणित, समय-परीक्षित प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आईसीएआर स्थल-विशिष्ट भू-तकनीकी मृदा गुणों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम वहन क्षमता (सिविल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थू,ल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी, महंगी और विघटनकारी ड्रिलिंग की आवश्यकता नहीं होती। यह पद्धति पूरी तरह स्वचालित पाइपलाइन के अंतर्गत बहु-स्रोत भू-स्थानिक इनपुट पर मशीन-लर्निंग रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू-भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूजल स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल-विशिष्ट पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नरम, कठोर या मिश्रित परतों की गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एजेंसियों द्वारा प्रारंभिक भू-तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली-पूर्व लागत अनुमान के लिए सीधे किया जाता है। पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान लागत और समय दोनों में 75त्न की कमी करता है। तीन सदस्यों की एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समयबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80त्न की पूर्वानुमान सटीकता (ऋ मान लगातार 0.78 से अधिक) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है।

वैश्विक उपस्थिति और वाणिज्यिक विश्वसनीयता

इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है—उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत की गई यह प्रौद्योगिकी अब राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी अवसंरचना कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट-किलोमीटर का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी हैं, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान पारितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है और भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ने तथा वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड सहित प्रमुख वैश्विक अवसंरचना कंपनियों ने इस समाधान को अपनाया है। केईसी इंटरनेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी, जो 100 से अधिक देशों में पारेषण लाइनों को डिजाइन और इनका निर्माण करती है, के लिए मृदा संबंधी आंकड़े वित्तीय अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। नींव संबंधी गतिविधियां और परियोजना जोखिम पूरी तरह से मृदा के प्रकार पर निर्भर करते हैं। ऐसे उद्योग में जहां 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व आधार पर मार्जिन में मामूली 0.1त्न की कमी भी 6 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान में बदल जाती है, सटीक मृदा आसूचना अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, नाइजर, रूस, केन्या, मोरक्को, मोल्दोवा, मैक्सिको, मलेशिया, अबू धाबी, नेपाल, बांग्लादेश और ट्यूनीशिया जैसे भौगोलिक रूप से जटिल देशों में पारेषण लाइन परियोजनाओं के लिए बोली लगाते समय, मृदा संबंधी आंकड़ों की कमी या वास्तसविक स्थिति का निष्प क्ष/सही प्रतिनिधित्वद न करने वाले आंकड़े लाभप्रदता को प्रभावित कर सकते हैं। आईसीएआर की प्रौद्योगिकी विश्वसनीय तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रदान करती है, जो ग्राहकों या परियोजना प्रबंधकों द्वारा मृदा की स्थिति के संबंध में किए गए दावों की जांच के लिए एक निष्पक्ष सत्यापनकर्ता के रूप में कार्य करती है, जिससे बोली लगाने में विश्वास बढ़ता है। छोटी लागत वाली निविदाओं के मामले में, जहां समय या वित्तीय सीमाओं के कारण भौतिक सर्वेक्षण संभव नहीं होते, यह पूर्वानुमानात्मक आंकड़ा इस कमी को पूरा करता है।

राष्ट्रीय प्रगति की प्रेरक

इस आंकड़े और विश्लेषण की सफलता ने अवसंरचना क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों को आईसीएआर की प्रौद्योगिकी को विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों में व्यापक रूप से लागू करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे इसकी उपयोगिता विद्युत पारेषण लाइनों से आगे बढ़कर रेलवे, सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों और भूमिगत केबलिंग तक विस्तृत हो गई है। उन्नत मृदा विज्ञान का उपयोग करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निर्माण गलियारों के जोखिम को कम करते हुए, कृषि अनुसंधान ने स्वयं को भारत की व्यापक आर्थिक वृद्धि के एक अपरिहार्य चालक के रूप में सिद्ध कर दिया है। यह प्रौद्योगिकी दर्शाती है कि मृदा विज्ञान में निवेश केवल देश का पेट नहीं भरता, बल्कि उसके वैश्विक भविष्य की आधारशिला भी तैयार करता है। इस सफलता के आधार पर, आईसीएआर के वैज्ञानिक अब 90 मीटर रिज़ॉल्यूशन वाले मृदा गहराई मानचित्र और हाल ही में इसी रिज़ॉल्यूशन वाले मृदा बनावट मानचित्र जैसे पूर्वानुमानात्मक डिजिटल मृदा मानचित्र भी आत्मविश्वास के साथ तैयार कर रहे हैं। ये मानचित्र निकट भविष्य में भारत को डिजिटल कृषि की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ाएंगे, विशेष रूप से भारत के किसानों को भूखंड-विशिष्ट समाधान उपलब्ध कराने में।

(लेखक एम.एल. जाट कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक हैं, एन.जी. पाटिल आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी), नागपुर के निदेशक हैं)

अर्थव्यवस्था में सेवा निर्यात की अहमियत

डा. जयंतीलाल भंडारी

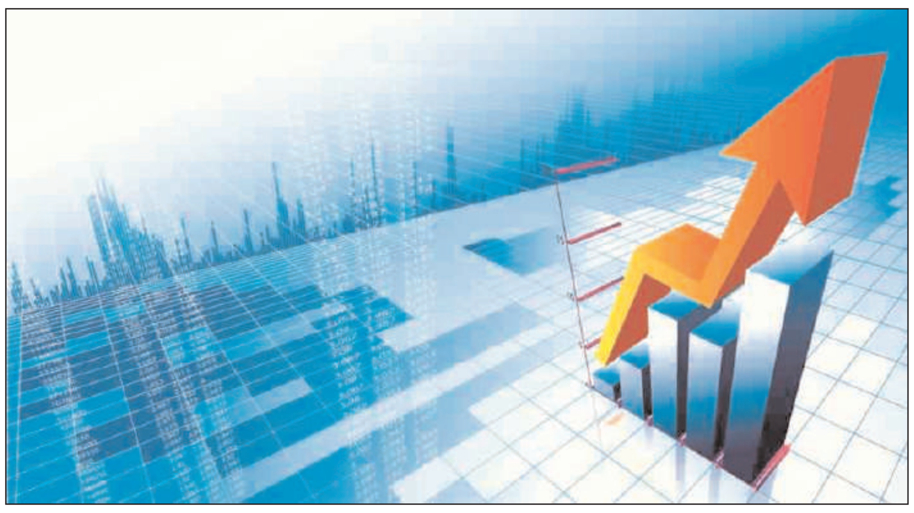

नवाचार और लक्षित नीतियों के संतुलन से भारत को वैश्विक सेवा निर्यात के अहम केंद्र के रूप में स्थापित किया जाना होगा। इस बात की ओर भी ध्यान दिया जाना होगा कि देश में महज 8.25 प्रतिशत युवा ही रोजगारपरक कौशल के आधार पर डिग्रियों के अनुरूप रोजगार प्राप्त कर पा रहे हैं इन दिनों सेवा निर्यात पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में सेवा निर्यात को भारत की आर्थिक ताकत के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। दुनिया में भारत को श्रेष्ठ सेवा निर्यात प्रदाता देश के रूप में प्रतिष्ठित किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घटते हुए वैश्विक निर्यात के बीच जहां सेवा निर्यात भारत के कुल निर्यात को नई ऊंचाई दे रहा है, वहीं यह भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता हुआ भी दिखाई दे रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल-जुलाई 2026 के चार महीनों में कुल सेवा निर्यात 6.38 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 142.64 अरब डॉलर दर्ज किया गया है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस वित्तीय वर्ष में सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 421.32 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर से भी ऊपर पहुंच जाएगा। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत से ही भारत के सेवा निर्यात ने वैश्विक सुस्ती के बीच उल्लेखनीय बढ़त दिखाई है। इस अवधि के दौरान पेशेवर परामर्श, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल समाधानों की अंतरराष्ट्रीय मांग में लगातार उछाल दर्ज किया गया। भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों के विस्तार और विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों ने भारतीय सेवा प्रदाताओं को विदेशी बाजारों में बेहतर पहुंच प्रदान की है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्त वर्ष के दौरान भारत के सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में व्यापक विस्तार हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल परिवर्तन की बढ़ती मांग ने इस निर्यात को नई दिशा दी है। सॉफ्टवेयर उत्पादों के साथ-साथ इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास सेवाओं ने निर्यात राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित अनुकूल कर राहतों और नीतिगत सुधारों से भारतीय कंपनियों को वैश्विक ग्राहकों को आकर्षित करने में सीधी मदद मिली है। इसके अतिरिक्त भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों ने अपने पारंपरिक बाजारों के अलावा नए भौगोलिक क्षेत्रों में व्यवसाय का विस्तार किया है। विश्व व्यापार संगठन का कहना है कि वैश्विक सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले दो दशकों में दोगुनी से अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वैश्विक क्षमता केंद्रों और डिजिटल समाधानों की वैश्विक मांग ने भारत को विश्व के शीर्ष सेवा निर्यातक देशों में मजबूती से स्थापित कर दिया है। वैश्विक सेवा निर्यात में भारत ने दुनिया में 7वां स्थान प्राप्त कर लिया है, जबकि वर्ष 2001 में भारत 24वें स्थान पर था। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही के महीनों में अमरीका द्वारा कठोर वीजा नियमों, वीजा साक्षात्कार पर अस्थायी रोक और वीजा शुल्क में वृद्धि जैसे सेवा निर्यात की राह में कठोर कदमों के बावजूद, चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से जुलाई की अवधि में भारत से सेवा निर्यात अमरीका को भी बढ़ा है। यदि हम भारत से अमरीका को सेवा निर्यात में वृद्धि के मुख्य कारणों को देखें, तो पाते हैं कि अमरीका की वीजा पाबंदियों (जैसे एच-वन-बी वीजा फीस) में अत्यधिक वृद्धि के कारण अमरीकी कंपनियों ने भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों का विस्तार किया है। इससे भारत में रहते हुए भी काम का रुझान बढ़ा है। टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसे भारतीय दिग्गज आईटी संस्थानों ने अमरीका में स्थानीय निवासियों की भर्ती बढ़ाई है, जिससे नए वीजा प्रायोजन पर निर्भरता कम हुई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क मॉडल की बढ़ती मांग ने वीजा यात्रा की आवश्यकता को घटाकर डिजिटल सेवा प्रदायगी को नया बल दिया है। नि:संदेह भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफ्टीए) के माध्यम से सेवा निर्यात बढ़ाने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें भी कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) सेवा निर्यात के लिए गेम चेंजर साबित हो रहे हैं। इस समय भारत 2177 वैश्विक क्षमता केंद्रों के साथ दुनिया के सबसे बड़े और प्रमुख केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है। दुनिया के करीब 55 प्रतिशत से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र अकेले भारत में हैं। भारत में ये केंद्र सीधे तौर पर 23 लाख से अधिक पेशेवरों को रोजगार दे रहे हैं और यह क्षेत्र सालाना लगभग 100 अरब डॉलर का राजस्व पैदा कर रहा है। भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों की रफ्तार में तेजी की स्थिति यह है कि दो साल पहले (साल 2024 में) जहां भारत में हर हफ्ते औसतन 1 नया केंद्र खुल रहा था, वहीं अब यह रफ्तार बढ़कर प्रतिदिन 1 नए केंद्र की स्थापना के रूप में बदल चुकी है। नि:संदेह सेवा निर्यात की इन विभिन्न अनुकूलताओं के बावजूद भारत से सेवा निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कई ढांचागत और नीतिगत चुनौतियों को दूर करना आवश्यक है। हाल ही में नीति आयोग ने 'भारत का सेवा क्षेत्र : पेशेवर सेवाओं में नियामक व्यवस्था संबंधी अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत के सेवा क्षेत्र में मौजूद नियामक बाधाओं को समाप्त कर भारतीय पेशेवरों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना है। रिपोर्ट के तहत सेवा निर्यात को तेजी से बढ़ाने की राह में जो चुनौतियां बताई गई हैं, उनमें कानूनी, लेखा, वास्तुकला और स्वास्थ्य क्षेत्रों में असमान नियम व नियामक बिखराव प्रमुख बाधाएं हैं, जिससे सेवा निर्यात से जुड़े पेशेवरों की वैश्विक गतिशीलता प्रभावित होती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए जो नई रणनीतियां बताई गई हैं, उनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल साधनों जैसे उभरते रुझानों को अपनाना, सेवा मूल्य-श्रृंखला में सुधार लाना, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं व मानकों को लागू करना, पेशेवरों के निरंतर विकास हेतु सतत प्रशिक्षण को बढ़ावा देना भारतीय योग्यताओं को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने के लिए अन्य देशों के साथ पारस्परिक मान्यता समझौतों को बढ़ावा देना और कारोबार सुगमता में सुधार करना शामिल हैं। इनके अलावा देश से सेवा निर्यात को ऊंचाई देने के लिए कई और बातों पर ध्यान देना होगा। आईटी के अतिरिक्त अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स और चिकित्सा पर्यटन जैसे क्षेत्रों को वैश्विक बाजार में बढ़ावा दिया जाना होगा। सार्वजनिक और निजी भागीदारी के माध्यम से कार्यबल को उभरती तकनीकों में तेजी से दक्ष बनाने के प्रयास किए जाने होंगे। नए अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में भारतीय पेशेवरों की सुगम आवाजाही के प्रावधानों पर विशेष जोर दिया जाना होगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम सेवा निर्यातकों को वित्तीय सहायता देकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी भागीदारी बढ़ाई जानी होगी। नवाचार और लक्षित नीतियों के संतुलन से भारत को वैश्विक सेवा निर्यात के अहम केंद्र के रूप में स्थापित किया जाना होगा। इस बात की ओर भी ध्यान दिया जाना होगा कि देश में महज 8.25 प्रतिशत युवा ही रोजगारपरक कौशल के आधार पर डिग्रियों के अनुरूप रोजगार प्राप्त कर पा रहे हैं। ऐसे में स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई के साथ नई पीढ़ी को रोजगारपरक कौशल से सुसज्जित करना होगा। ऐसी रोजगार कौशल से सुसज्जित नई पीढ़ी सेवा निर्यात को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। उम्मीद करें कि पश्चिम एशियाई संकट तथा वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत के मुक्त व्यापार समझौते तथा वैश्विक क्षमता केंद्र सेवा निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर गेम चेंजर भूमिका निभाएंगे। ऐसे में देश सेवा निर्यात की राह पर रफ्तार से बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर के सेवा निर्यात का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होगा। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलते हुए दिखाई देगी।

जीवन में संतुलन से ही मधुरता, दूसरों की नकल से बिगड़ते हैं सुर : निर्यापक मुनि समतासागर जी

कुण्डलपुर(म.प्र.) (विश्व परिवार)। निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने 'व्हाट इज लाइफ' श्रृंखला के अंतर्गत 'लाइफइज ए म्यूजिक' विषय पर जीवन के मर्म को समझाते हुए कहा कि जीवन स्वयं एक संगीत है और आवश्यकता इस बात की है कि हम इसे लयबद्ध करना सीखें। जीवन में सुख-दुःख, उतार-चढ़ाव और अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थितियां आती रहती हैं, लेकिन इनके बीच संतुलन बनाए रखना ही जीवन को मधुर बनाता है।

मुनि श्री ने कहा कि सूखी लकड़ी के साधारण टुकड़े से बनी बांसुरी जब कुशलता से बजती है तो उससे मधुर संगीत निकलता है। कृष्ण की बांसुरी हमें सिखाती है कि जीवन रूपी खोखले बांस में यदि प्रेम और मृदुलता की फूंक हो तो उससे आनंद का संगीत पैदा हो सकता है। वहीं शिव का डमरू और तांडव सृष्टि के सृजन और विनाश की अनवरत लय का प्रतीक है। सुख हो या दुःख, उतार हो या चढ़ाव, जीवन की गति में संतुलन और लय आवश्यक है।

उन्होंने जैन दर्शन के संदर्भ में जीवन की तुलना सितार से करते हुए कहा कि सितार अपने आप में न सुरीला है और न बेसुरा। उसके तारों को क्रोध में जोर से खींचेंगे तो कर्कश स्वर निकलेगा, लेकिन प्रेम और धैर्य से छूने पर वही तार मधुर संगीत पैदा करेंगे। शरीर और परिस्थितियां सितार हैं, जबकि आत्मा, विचार, शब्द और कर्म उसके तारों को स्पर्श करने वाली उंगलियों के समान हैं। इसे पुद्गल और आत्मा की जुगलबंदी भी कहा जा सकता है।

मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य अपने कर्मों से जीवन रूपी सितार पर जैसी थाप देता है, वैसी ही प्रतिध्वनि उसे प्राप्त होती है। अहंकार, क्रोध, लोभ, भय और अज्ञानता जीवन के बेसुरे स्वर हैं, जबकि सत्य, करुणा, संयम और विवेक की थाप से आनंद और आत्मिक शांति का संगीत पैदा होता है। जैन दर्शन में कर्मों के आगमन को आस्रव तथा उनके रोकने के उपाय को संवर कहा गया है। मन, वचन और काय की प्रवृत्तियों को रोकना गुप्ति है। जिस प्रकार संगीत में दो सुरों के बीच का मौन उसे मधुर बनाता है, उसी प्रकार जीवन में गुप्ति और संवर आत्मिक संगीत को शांत और प्रभावी बनाते हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री समतासागर जी महाराज 'व्हाट इज लाइफ' श्रृंखला में जीवन के विभिन्न आयामों को आध्यात्मिक दृष्टि से सरल उदाहरणों के माध्यम से समझा रहे हैं।मुनि श्री ने युवाओं को जीवन में संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि सितार के तार को यदि बहुत अधिक कस दिया जाए तो वह टूट सकता है और यदि बिल्कुल ढीला छोड़ दिया जाए तो उससे मधुर स्वर निकलता ही नहीं। आज का युवा करियर, पैसा और सफलता की दौड़ में स्वयं को इतना अधिक कस रहा है कि तनाव और बर्नआउट का शिकार हो रहा है। दूसरी ओर लक्ष्यहीनता के कारण कुछ युवा पूरी तरह ढीले पड़कर अपना समय गंवा रहे हैं। जीवन का अच्छा संगीत तभी निकलता है, जब उसके तार संतुलित हों। स्वयं पर इतना दबाव न बनाएं कि टूट जाएं और न इतने लापरवाह बनें कि जीवन का उद्देश्य ही समाप्त हो जाए।

उन्होंने संगीत के पिच और स्केल का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी क्षमता और सीमा होती है। आज का युवा दूसरों का स्केल देखकर अपनी जिंदगी जीने का प्रयास कर रहा है। किसी दूसरे की सफलता, जीवनशैली या उपलब्धि को देखकर उसकी नकल करना जरूरी नहीं है। हर व्यक्ति का अपना पिच और स्केल है। अपनी योग्यता और क्षमता के अनुरूप सुर साधेंगे तो जीवन सुरीला होगा, जबकि दूसरों की नकल करने में अपने जीवन के सुर बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि नकल को भी अकल की जरूरत होती है। इसलिए अपनी मौलिकता, वास्तविकता और क्षमता को पहचानकर आगे बढ़ना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि आज का युवा अपने जीवन को 15 सेकंड की रील की तरह देखना चाहता है। उसे तुरंत सफल, तुरंत वायरल और तुरंत अमीर बनना है।

श्री सीमंधर जैन मंदिर में महावीर स्वामी का पालना गोलछा परिवार ने बधाया व महास्वप्नों का पूजन हुई

रायपुर (विश्व परिवार)। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर भैरव सोसायटी में महावीर जन्मवांचन के अवसर पर पालना महोत्सव व 14 स्वप्नों का पूजन दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के अवसर पर धूमधाम से मनाया गया। प्रभु महावीर स्वामी के पालना जी के पूजन का चढ़ावा श्री रमेश जी अनुराग अंकिता आन्या अंकन गोलछा परिवार 144 एवेन्यु अमलीडीह ने लिया है, प्रातः 9 . 30 बजे सीमंधर स्वामी जैन मंदिर से गोलछा परिवार बाजे गाजे व श्रीसंघ के साथ पालना जी व चौदह महास्वप्नों को बधा कर स्व निवास ले जाकर पूजन किया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जब भगवान महावीर स्वामी मातारानी त्रिशला के गर्भ में आते हैं उस रात्रि माता 14 महास्वप्न देखती है। जन्मवांचन के अवसर पर सकल जैन समाज महास्वप्नों जी का पूजन करते हैं। अध्यक्ष संतोष बैद ने मंत्रोच्चार के साथ स्वप्नों जी का पूजन करवाया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में आज माता त्रिशला महारानी के 14 स्वप्नों का पूजन क्रमशः श्वेत हस्ती - श्री संतोष जी सरला जी बैद, वृषभ - श्री पदम चंद जी कमल जी अनिल जी गोलछा, सिंह - महेन्द्र कुमार तरुण कुमार मानस गौरव कल्प गर्वित प्रेरित कोचर, लक्ष्मी देवी - श्री तिलोकचंद शांतिलाल अशोक कुमार बरड़िया, पुष्पों की माला - श्री संजय कुमार अजय कुमार पारख, पूर्ण चन्द्रमा - श्रीमती रश्मि देवी प्रीत कुमार पारख, मुम्बई, दैदिप्यमान सूर्य - श्रीमती माया देवी राजेन्द्र जी यश महिमा जयदीप सेठिया, ध्वजा - श्रीमती तारा देवी खेमराज बैद, स्वर्ण कलश - गुलाब चंद सोहनलाल टीकम जी सपना गोलछा, कमल सरोवर - श्री इन्दर चंद जी जय कुमार विजय कुमार सांखला, क्षीरसागर - श्री जितेन्द्र अंजली गोलछा, देवविमान - श्री प्रदीप कुमार जी प्रणव जी बोथरा, नयापारा राजिम, रत्नों की राशि - स्मृतिशेष श्री भीखमचन्द जी कोठारी के आत्मश्रेयार्थ श्रीमती पुष्पादेवी कोठारी, आनंदम सिटी, निरधुम अग्नि - श्री राजेश जी करुणा जी कुशल सिंघी, अरिहंत हाईट परिवार द्वारा किया गया। शनिवार को ही सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में पालना महोत्सव के अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक निर्मल पारख व नेहा झाबक गायन प्रस्तुत करेंगे।

सम्पूर्ण रात्रि कायोत्सर्ग में खड़े रहे मुनि श्री संधान सागर जी महाराज

सम्मेद शिखर जी (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक एवं परम तपस्वी शिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज विगत रात्रि गुणायतन स्थित अतिशयकारी अतिमनोरा 1008 चंद्रप्रभ भगवान एवं चिंतामणी पाार्श्वनाथ भगवान के सामने सम्पूर्ण रात्रि कामोत्सर्ग में खड़े रहकर तपस्या थी। परम पूज्य मुनिश्री ने चतुर्दशी पर्व का उपवास किया एवं शाम को गुरुदेव प्रमाणसागर जी महाराज से आज्ञा एवं आशीर्वाद लेकर जिन मन्दिर जी में खड्गासन में खडे हुए तो प्रातःकाल ही उठे। चतुर्थकाल जैसी चर्या देखते ही बन रही थी गुरुदेव की मुद्रा को देखकर जैसे करते पहले के मुनिराज जंगलो में वृक्षों के नीचे तपस्या करते थे वैसे ही मुनि श्री सम्पूर्ण रात्रि आत्म-चिंतन पर जीवन का वास्तविक आनंद ले रहे थे । मुनि श्री पूर्व में भी कई बार इस तरह के प्रतिमायोग में अपने शरीर को तपा चुके हैं। वे पार्श्वनाथ की टोंक पर भी संपूर्ण रात्रि खड़े रहकर तपस्या कर चुके हैं, इससे पूर्व हॉल ही में 36 घंटे का प्रतिमायोग पार्श्वनाथ टोंक पर उन्होंने किया तथा बावनगजा-गजपंथा-रामटेक-नेमावर-एलोरा आदि स्थानों पर भी कई दिनों तक प्रतिमा योग धारणा कर तपस्या कर अपने को तपा रहे है। ऐसे गुरदेव के चरणों में सभी समाज नतमस्तक है।

श्री कुंथुनाथ जिनालय में धर्म आराधना का उत्साह

■ आज भव्य रूप से मनाया जाएगा प्रभु महावीर स्वामी जन्मोत्सव

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री छत्तीसगढ़ कच्छी दशा ओसवाल जैन ज्ञाति महाजन, रायपुर की ओर से श्री कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर जिनालय, सम्मति नगर फाफाडीह में चल रहे पर्युषण पर्व में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। शुक्रवार को पर्युषण पर्व के तहत आयोजित सभी धार्मिक कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हुए। सुबह से रात तक श्रद्धालु अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए और जिनालय परिसर भक्तिमय बना रहा।

शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे श्रुत ज्ञान अनुष्ठान, 9 बजे भक्तामर पाठ, श्री पोथीजी का अर्पण एवं व्याख्यान का आयोजन हुआ। दोपहर में एकासना और स्वामीवात्सल्य के साथ श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। दोपहर 1:36 बजे श्री गौतम लब्धि अनुष्ठान हुआ, जिसके लाभार्थी स्वर्गीय विनोद माणिकजी मैशरी की स्मृति में मातुश्री नवलबेन विनोद मैशरी परिवार, नानी सिंधौड़ी-रायपुर रहे। शाम को चौविहार और प्रतिक्रमण के बाद रात 8 बजे आंगी, आरती और भावना का आयोजन हुआ।

पर्युषण पर्व की धार्मिक श्रृंखला में इससे पहले श्री कल्पसूत्र जी की शोभायात्रा सहित विभिन्न आयोजन भी भव्यता के साथ संपन्न हो चुके हैं। 6 सितंबर को 18 अभिषेक महोत्सव के साथ धार्मिक आयोजनों का आगाज हुआ था और 8 सितंबर से पर्युषण पर्व के विशेष कार्यक्रम शुरू हुए हैं।

14 स्वप्नों के विशेष आयोजन

शनिवार 12 सितंबर को पर्युषण पर्व का प्रमुख आकर्षण प्रभु महावीर स्वामी जन्मोत्सव रहेगा। दिन की शुरुआत सुबह 9 बजे भक्तामर पाठ और व्याख्यान से होगी। इसके साथ प्रभु महावीर स्वामी जन्मोत्सव कार्यक्रम तथा स्वप्नों की बोलियां आयोजित की जाएंगी।

इसके बाद सुबह 11:30 बजे श्री 14 स्वप्न अवतरण प्रभु जन्मोत्सव का पावन आयोजन होगा। जैन परंपरा में भगवान महावीर स्वामी के जन्म से जुड़े 14 स्वप्नों का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु जन्मोत्सव की धार्मिक विधियों में सहभागी होंगे।

दोपहर 12 बजे एकासना एवं स्वामीवात्सल्य का आयोजन होगा। शाम 5:30 बजे चौविहार और शाम 6 बजे प्रतिक्रमण होगा। रात 8 बजे आंगी, आरती और भावना का आयोजन रखा गया है।

चरौदा में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

■ युवाओं को प्रतियोगी और तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की पहल

आरंग (विश्व परिवार)। पोला पर्व के अवसर पर गुरुवार को समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत एवं युवा टीम चरौदा के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ग्राम के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को आमंत्रित कर शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर ग्राम के शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने पर ग्रामीणों ने हर्ष जताते हुए बधाई दी। वहीं पालकों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि महेन्द्र पटेल ने गांव का गौरव बढ़ाया है और उनका सम्मान पूरे गांव का सम्मान है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गांव के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, इसलिए शिक्षक सम्मान की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। समारोह में बड़ी संख्या में पालक, बच्चे और ग्रामीण उपस्थित रहे।शिक्षक महेन्द्र पटेल ने कहा कि वे अब बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं और तकनीकी शिक्षा के लिए भी तैयार करेंगे, ताकि कोई युवा बेरोजगार न रहे। उनकी इस पहल की सभी ने सराहना की।

सम्मानित होने वाले शिक्षक - कीर्ति कुमार परमाल, महेन्द्र कुमार पटेल, सूर्यकांत चंद्राकर, दीनदयाल धीवर, डिलेश्वर साहू, सुशील आवड़े, जीतेन्द्र यदु, गुरुचंद पारधी, श्रीमती संगीता पाटले, पायल शुक्ला, प्रभा साहू, पार्वती साहू, सत्यभामा ध्रुव, भुनेश्वरी चंद्राकर, मनीषा चंद्राकर।

जो अपने भावों की विशुद्धि को संभाल लेगा वही भगवान् बनेगा : पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

कोल्हापुर (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज जी के शिष्य मुनि श्री सुव्रत सागर महाराज जी ने अवगत कराया की - पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने धर्म सभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि- जीवन में अपनी योग्यताएँ बढ़ाना चाहिए, परन्तु किसी योग्य-व्यक्ति का तिरस्कार करके, किसी पद को छीनना मानवता नहीं है।

धर्मव्यवहार सिखाता है, भगवान् बनाता है

सच्चा-धर्म नही है, जो सद-व्यवहार सिखाए, धर्म-मार्ग पर लगाए, कर्म का क्षय करे, प्रशस्त परिणामों में लगाए, सुख शांति प्रदान करे और भगवान् बनाए। धर्म-ही संसार में सर्व-श्रेष्ठ है। धर्म ही मंगल है, धर्म उत्तम है, धर्म ही शरण है। धर्म-ही सर्व-श्रेष्ठ है।

पृच्छना-देशना परिणाम सँभालो, भगवान बनो

मानव को अपने भाव सँभालना चाहिए। जो अपने भावों की विशुद्धि को संभाल लेगा वही भगवान् बनेगा। परिणाम बिगडते ही भाषा बिगड़ने लगती है। आन्तरिक भावों के अनुसार ही भाषा होती है। जो अपने भाव एवं भाषा को संभाल लेता है, उसका इह-भव एवं पर-भव सँभल जाते हैं।

जिनको यशः कीर्ति चाहिए उन्हें गुरुओं की भक्ति करना चाहिए। बलिष्ट शरीर चाहिए तो गुरुओं की सेवा करना चाहिए। दान दोगे, तो धन बढ़ेगा। ज्ञान दोगे, शान बढ़ेगा। कुए से पानी निकालोगे तो और पानी बदेगा। ऐसे ही अच्छा करोगे, अच्छा होगा।

जैन पर्वों के दौरान मांस विक्रय केंद्र एवं बूचड़खाने बंद रखने के आदेश पर समाज ने सरकार का जताया आभार

■ संवत्सरी (15/9), अनंत चतुर्दशी (25/9) के अलावा इस बार क्षमा वाणी पर्व (27/9) भी शामिल

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन समाज के पवित्र पर्व पर्युषण एवं दशलक्षण पर्व के दौरान मांसाहार की बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान, प्रांत- राजस्थान ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को तथा राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा को पत्र के माध्यम से संवत्सरी पर्व (15 सितंबर 2026), अनंत चतुर्दशी (25 सितंबर 2026) एवं क्षमावाणी पर्व (27 सितंबर 2026) के अवसर पर प्रदेशभर में मांस विक्रय केंद्र, बूचड़खाने तथा अंडा-मछली-मांस विक्रय केंद्र बंद रखने की जैन समाज की मांग को स्वायत्त शासन विभाग द्वारा आदेश दिनांक 09/09/26 जारी करने पर समाज ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बडजात्या कामवन के अनुसार कामां के पूर्व प्रधान रविंद्र जैन जुरहरा व संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने 15 सितंबर को संवत्सरी, 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी तथा इस बार 27 सितंबर को क्षमावाणी पर्व के अवसर पर भी सभी संबंधित मांस विक्रय केंद्र, पशु वध प्रतिष्ठान, बूचड़खाने तथा अंडा-मछली विक्रय केंद्र बंद रखने के स्पष्ट आदेश जारी किए जाने की सरकार की सराहना की है साथ ही आग्रह किया है कि तीनों प्रमुख पर्वों पर पूर्ण रूप से आदेशों की पालना सुनिश्चित कराई जाए तथा समाज से आह्वान किया है कि सजग रहते हुए नगरपालिका व स्थानीय थाने में भी आदेश की प्रति भेज आदेश की पालना सुनिश्चित करवाई जाए।

चातुर्मास के पावन अवसर पर रावतपुरा सरकार के दर्शन कर पुरन्दर मिश्रा ने लिया आशीर्वाद

■ सागर के वेदांती आश्रम में रावतपुरा सरकार से मिले विधायक पुरन्दर मिश्रा, सपत्नीक लिया आशीर्वाद

सागर (विश्व परिवार)। पवित्र चातुर्मास के शुभ अवसर पर मध्यप्रदेश के सागर स्थित वेदांती आश्रम में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने सपत्नीक पहुंचकर पूज्य रावतपुरा सरकार के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्री मिश्रा ने पूज्य रावतपुरा सरकार से आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करते हुए प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि संतों का सान्निध्य और उनके आशीर्वचन जीवन को नई ऊर्जा, सकारात्मकता और सेवा की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि चातुर्मास भारतीय सनातन परंपरा में आत्मचिंतन, साधना, सेवा और आध्यात्मिक उन्नयन का विशेष पर्व है। इस पावन अवधि में संत-महात्माओं का दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होना सौभाग्य की बात है। पूज्य रावतपुरा सरकार का सान्निध्य सदैव समाज को धर्म, संस्कार, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की परंपराएं हमारी आध्यात्मिक शक्ति और सामाजिक एकता का आधार हैं। संतों के मार्गदर्शन से समाज में सेवा, संस्कार और परोपकार की भावना और अधिक मजबूत होती है।

इस दौरान सपत्नीक पूज्य रावतपुरा सरकार के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने स्वयं को धन्य महसूस किया और सभी के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

वर्तमान परिवेश में बच्चों को ज्ञानार्जन के साथ संस्कारित करने की आवश्यकता हैः मुनिश्री श्रमण सागर जी

■ राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रव

■ 10 दिन के विद्याधर श्रमण संस्कार शिविर 16 सितंबर से।

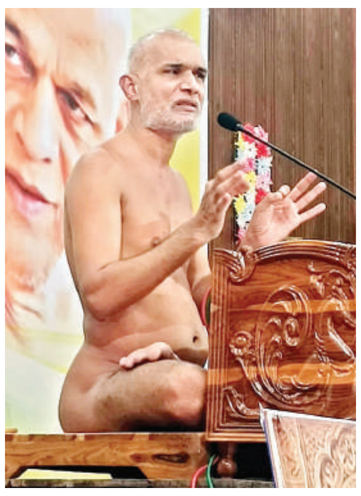

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। विश्व प्रसिद्ध दिगंबर जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, महा तपस्वी, औजस्वी वक्ता, बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने राघौगढ़ नगर में जारी श्रमण धारा प्रवचन माला में मंगल प्रवचन करते हुए बच्चों को उचित मार्गदर्शन विषय पर कहा आज की युवा पीढ़ी को ज्ञानार्जन से पहले संस्कारित करने की आवश्यकता है। बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं माता-पिता का दायित्व है कि कुम्हार की भांति कच्ची मिट्टी को परिपक्व बनाएं और अपने बच्चों को सुसंस्कारित करें। आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व तक बेटे बेटी के विवाह 18 से 20 वर्ष की उम्र में हो जाते थे। एक जमाना था कि गांव का नाई लड़का लड़की देखकर आता था और वह आकर पूरी रिपोर्ट दे देता था। इसके बाद विवाह संबंध हो जाते थे। उस जमाने में पति-पत्नी में विवाह के बाद प्रेम होता था। अब पहले प्रेम होता है फिर विवाह होता है। दाम्पत्य जीवन में टकराव आने पर एक वर्ष में ही वैवाहिक संबंध विच्छेद हो जाता है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में लड़के लड़की चरित्र को दाव पर लगाकर केरियर बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। माता-पिता का कर्तव्य है कि लड़के लड़की को इतने संस्कारित करें कि वे करियर बनाने के लिए चरित्र को दाव पर न लगाये। आपने कहा युवा पीढ़ी में संस्कार विहीनता बढ़ रही है। इसके बाद भी ऐसे उदाहरण हैं जो लड़कियां पढ़ाई कर अनेक डिग्रियां ले लेती हैं इसके बाद नौकरी करना पसंद नहीं करती हैं। वे संस्कारित लड़कियां कहती हैं मुझे ऐसा पति चाहिए जिसका स्वयं का व्यापार एवं उद्योग हो वह पति मेरे लिए महाराजा के समान होगा और मैं उसकी महारानी कहलाऊंगी।अगर नौकर से विवाह करूंगी तो नौकरानी ही कहलाऊंगी। आपने कहा बच्चों में 14 से 20 वर्ष तक की उम्र ऐसी रहती है कि इस उम्र में बच्चे भटक जाते हैं। आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने बालिकाओं को संस्कारित एवं शिक्षित बनाने के लिए प्रतिभास्थली आवासीय बालिका विद्यालयों की स्थापना कराई है। यह प्रतिभास्थली इंदौर, जबलपुर, रामटेक महाराष्ट्र, डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ में संचालित हैं यह गौरव की बात है कि जबलपुर में प्रतिभास्थली में पढ़ी एक बालिका का चयन पायलट के लिए हुआ है। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने कहा यह निर्णय तो माता-पिता एवं पालकों को करना है कि उन्हें अपनी संतान को राक्षस बनाना है या देवता बनाना है।

भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं जैन समाज राघौगढ़ के मार्गदर्शक विजय कुमार जैन ने जानकारी दी है राघौगढ़ नगर में दस लक्षण महापर्व के अवसर पर दिनांक 16 सितंबर से 30 सितंबर तक 10 दिवसीय श्रमण संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में मुख्य विशेषता यह है कि चयनित 20 युवक जिनकी आयु 15 से 30 वर्ष है उन्हें 10 दिन के विद्याधर नाम देकर धर्म साधना कराई जाएगी। महाराष्ट्र,। दिल्ली, असम, उ.प्र., हरियाणा एवं मध्यप्रदेश के युवक विधाधर बन रहे है।इसके अलावा श्रमण संस्कार शिविर में लगभग 110 पुरुष महिला एवं युवा भाग ले रहे हैं इनमें दिल्ली,सागर, कुंभराज, जामनेर, सुसनेर, राघौगढ़ आदि के शिविरार्थी मुनि संघ के पावन सानिध्य में दस दिन धर्म साधना करेंगे।

स्कूली शिक्षा बदहाल, सुविधाएं नहीं : कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षा की गुणवत्ता, बिगड़ते परीक्षा परिमाण और नए शिक्षकों की भर्ती को लेकर सरकार के दावे पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि सरकारी दावें तथ्यहीन हैं, वर्तमान में 260 स्कूल (212 प्राथमिक और 48 मीडिल स्कूल) शिक्षक विहीन और 12712 स्कूल (5840 प्राथमिक और 6872 मीडिल स्कूल) एकल शिक्षक के भरोसे छोड़ दिया गया है, सरकार की उपेक्षा और बदइंतजामी के चलते ही प्रदेश में शिक्षा का स्तर गिर रहा है, विज्ञान और गणित में बुनियादी सिद्धांतों को समझने का स्तर माइनस में है जो अत्यंत चिंताजनक है, पेपर लीक हो रहे हैं, स्कूलों को मिलने वाला फंड रोक रखा है, शिक्षा विभाग की प्राथमिकता केवल भ्रष्टाचार पर ही है, टीवी, जग, फर्नीचर खरीदी, किताब छपाई और जंबूरी घोटाला सर्वविदित है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में कार्यरत लाखों की संख्या में शिक्षक और सहायक शिक्षक पदोन्नति की राह देख रहे हैं, लेकिन यह सरकार नए-नए शर्त थोप कर प्रक्रिया बाधित कर रहे हैं।

www.dainikvishwaparivar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 8 स्वर्ण, 14 रजत और 8 कांस्य पदक; अंडर-19 छात्राएं दूसरे स्थान पर

तैराकी में बीजापुर के खिलाड़ियों ने जीते 30 पदक

बीजापुर। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बीजापुर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बिलासपुर में 3 से 6 अगस्त तक आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 की तैराकी स्पर्धा में बीजापुर स्पोर्ट्स अकैडमी के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में 8 स्वर्ण, 14 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 30 पदक हासिल किए। अंडर-19 छात्राओं ने द्वितीय तथा अंडर-14 छात्राओं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।सपना ने चार पदक जीते-अंडर-14 वर्ग में सपना ने दो स्वर्ण और दो रजत पदक हासिल किए। अक्षय ने एक रजत, सुभाष ने एक कांस्य तथा तमन्ना ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीता।अंडर-17 में बबलू का प्रदर्शन-अंडर-17 वर्ग में बबलू ने तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। सरैया ने एक रजत और एक कांस्य, संदीप ने एक कांस्य, रीता ने तीन रजत, गुंजन ने एक रजत और एक कांस्य, रमादेवी ने एक रजत और एक कांस्य तथा साधना ने एक रजत पदक जीता।अंडर-19 में साधना और अक्षिता चमकीं-अंडर-19 वर्ग में साधना ने दो स्वर्ण और दो रजत, जबकि अक्षिता ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक हासिल किए।अभ्यास और प्रशिक्षण का मिला लाभ-खिलाड़ियों के प्रदर्शन में नियमित अभ्यास, अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ प्रशिक्षक दीप्ति वर्मा के तकनीकी प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता में सफलता के बाद बीजापुर स्पोर्ट्स अकैडमी में उत्साह का माहौल है। कलेक्टर विश्वदीप और जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षक को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी मेहनत और अनुशासन के साथ जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

जगदलपुर में पहले नेशनल हॉस्पीटेलिटी ब्रैंड ने भारत में जल प्रपातों, जंगलों, गुफाओं, शिल्प, संस्कृति और व्यंजनों के अद्भुत संसार की राह खोली

बस्तर: भारत के अग्रणी हॉस्पीटेलिटी ब्रैंड्स में से एक स्टर्लिंग हॉलीडे रेसोर्ट्स ने स्टर्लिंग नमन बस्तर, जगदलपुर के लॉन्च के साथ छत्तीसगढ़ में अपनी पारी शुरू करने की घोषणा की है। देश में स्टर्लिंग का यह 80वां और जगदलपुर में पहला रेसोर्ट है जिसका संचालन नेशनल हॉस्पीटेलिटी ब्रैंड के बैनर तले किया जाएगा। इसके साथ ही, स्टर्लिंग ने भारत के सर्वाधिक आकर्षक लेकिन अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक के गेटवे यानि बस्तर में अपनी पारी शुरू की है। बस्तर के मनमोहक जंगलों का आलिंगन करते जल प्रपात; प्राकृतिक परिदृश्यों के बीच स्थित चूना पत्थर की गुफाएं; रंगों से भरपूर स्थानीय हाट बाजारों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी, सदियों पुराना ढोकरा शिल्प, और यहां की विशिष्ट खाद्य परंपराएं मिलकर ट्रैवलर्स के लिए ऐसे अद्भुत अनुभवों को बुनते हैं जो अन्य जाने-पहचान हॉलीडे सर्किट से हटकर होते हैं। लॉन्च के मौके पर, श्री विक्रम लालवानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, स्टर्लिंग हॉलीडे रेसोर्ट्स ने कहा: कुछ डेस्टिनेशंस पहले से ही लोगों के दिलो-दिमाग में होते हैं। कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें तलाशा जाना है। हमारा मानना है कि बस्तर इसी दूसरी श्रेणी में आता है। यहां कुदरत की शानदार सौगात है, जैसे कि जल प्रपात, वन, गुफाएं, शिल्प, व्यंजन और एक समृद्ध जीवित संस्कृति। प्रकृति की इतनी देन के बावजूद बस्तर आज भी मुख्यधारा वाले भारतीय ट्रैवलर की निगाहों से दूर छिपा हुआ है। इस पार्टनरशिप के बारे में, स्टर्लिंग नमन बस्तर (दिशी रेसोर्ट प्रा.लिमि. की यूनिट) के मालिक जयेश संगानी और रचित संगानी ने कहा: बस्तर के पास एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन के तौर पर पहचान बनाने के लिए बहुत कुछ है, यहां का प्राकृतिक लैंडस्केप और बेहद विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत अद्भुत है। स्टर्लिंग के साथ हमारे जुड़ाव ने इस इलाके की स्थानीय समझ और ब्रैंड की पहुंच, वितरण तथा सत्कार क्षेत्र में विशेषज्ञता का मेल करवाया है। हम मिलकर स्टर्लिंग नमन बस्तर को उन ट्रैवलर्स का पसंदीदा ठिकाना बना सकते हैं जो जगदलपुर और बस्तर के व्यापक इलाके को एक्सप्लोर करना चाहते हैं।

महिंद्रा का BLAZO i-TRK: भारत में अधिक लाभदायक और इंटेलिजेंट ट्रकिंग के नए मानक स्थापित करेगा

रायपुर : महिंद्रा ट्रक एंड बस, जोकि महिंद्रा ग्रुप का हिस्सा है, ने आज ऑल-न्यू BLAZO i-TRK को लॉन्च करने की घोषणा की। यह नए दौर का हैवी कमर्शियल ट्रक ट्रांसपोर्टर्स और फ्लीट मालिकों से एक ही मुख्य वादा करता है: प्रॉफिट का रॉकेट।

महज़ एक ट्रक से बढ़कर, BLAZO i-TRK को पूरे बिजनेस के समाधान के रूप में तैयार किया गया है। यह बेहतरीन माइलेज, पावरफुल इंजन, स्मार्ट कनेक्टेड तकनीक और उद्योग में सबसे बेहतरीन अपटाइम गारंटी का शानदार मेल है। यह ग्राहकों को कमाई बढ़ाने, काम की रफ्तार सुधारने, चलाने का खर्च घटाने और अपनी गाड़ियों पर बेहतर कंट्रोल रखने में मदद करता है।

BLAZO i-TRK को ग्राहकों के लिए इन तीन बड़े फायदों के साथ तैयार किया गया है:

ज़्यादा कमाओ- 10% तक बेहतर माइलेज देने वाला BLAZO i-TRK ईंधन की हर बूंद से अधिकतम लाभ निकालने के लिए कई एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल करता है। इनमें एआई-संचालित आईफ्यूलस्मार्ट ऑटो ड्राइव मोड, टर्बोमैक्स टर्बोचार्जर, ऑप्टिफ्यूल एयर कंप्रेसर और कई अन्य हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर समाधान शामिल हैं। यह बचत 5 सालों में प्रति ट्रक 15 लाख* रुपये तक के अतिरिक्त मुनाफे में बदल सकती है, जिससे ग्राहकों को अपना व्यवसाय तेज़ी से बढ़ाने में मदद मिलती है।

ज़्यादा चलाओ- BLAZO i-TRK रेंज में महिंद्रा का भरोसेमंद और बेहतरीन 320 HP एमपावर इंजन दिया गया है, जो दमदार प्रदर्शन, उच्च विश्वसनीयता और अधिक उत्पादकता प्रदान करता है। ड्राइवर के आराम को बढ़ाने के लिए इसमें कॉम्फीमैक्स सस्पेंडेड सीट, ईज़ीक्रूज़ क्रूज़ कंट्रोल, हैंड्स-फ्री और सुरक्षित बातचीत के लिए माइक के साथ ब्लूटूथ-सक्षम म्यूज़िक सिस्टम, और एक विशाल, प्रीमियम व एर्गोनॉमिक एसी केबिन दिया गया है। यह ड्राइवर को लंबी दूरी के संचालन में भी ऊर्जावान बनाए रखता है, जिससे फ्लीट मालिक अधिक दक्षता के साथ ज़्यादा ट्रिप पूरे कर पाते हैं।

प्रत्येक BLAZO i-TRK महिंद्रा के व्यापक सर्विस एश्योरेंस प्रोग्राम द्वारा समर्थित है, जिसे वाहन की उपलब्धता को अधिकतम करने और संचालन लागत को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

महंगी बिजली और बढ़ते बिल से आम उपभोक्ताओं पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ - विक्रम मंडावी

बीजापुर। स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को भैरमगढ़ से हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शुरू किए गए अभियान में पार्टी नेताओं ने स्मार्ट मीटर हटाने की मांग उठाई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल बढ़ने और मनमानी वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को राहत देने के बजाय महंगी बिजली और बढ़ते बिजली बिलों का बोझ डाल रही है। उन्होंने दावा किया कि जिले के हजारों उपभोक्ता अधिक बिजली बिल से परेशान हैं। स्मार्ट मीटर को लेकर भी उपभोक्ताओं में असंतोष है। मंडावी ने कहा कि इन शिकायतों को लेकर कांग्रेस जिलेभर में हस्ताक्षर अभियान चलाएगी।जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने सरकार पर बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए स्मार्ट मीटर लगवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसान खाद के लिए परेशान हैं और युवाओं के सामने रोजगार की समस्या है। ऐसे समय में स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल में राहत मिलने तक कांग्रेस का अभियान जारी रहेगा।

कांग्रेस ने गिनाई समस्याएं- बिजली बिल बढ़ने का दावा: कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की ओर से अधिक बिल आने की शिकायतें मिल रही हैं। पारदर्शिता पर सवाल: पार्टी ने बिलिंग व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है।जिलेभर में अभियान: कांग्रेस ने भैरमगढ़ के बाद जिले के अन्य क्षेत्रों में भी हस्ताक्षर अभियान जारी रखने की बात कही है।ये रहे मौजूद-अभियान में नकुल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य लच्छू मौर्य, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुखदेव नाग, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, ब्लॉक अध्यक्ष मनोज अवलम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केशकाल ने किया प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास बहीगांव का आकस्मिक निरीक्षण

कोण्डागांव। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केशकाल श्रीमती सौम्या राय के नेतृत्व में प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, बहीगांव का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत बच्चों से मुलाकात कर उनके रहन-सहन, भोजन, शिक्षा एवं उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान छात्रावास की स्वच्छता व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, शयन कक्ष, अध्ययन व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बच्चों से उनकी दिनचर्या एवं पढ़ाई को लेकर बातचीत की तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।श्रीमती सौम्या राय ने बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने तथा अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रावास प्रबंधन को बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता एवं आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाले बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। आकस्मिक निरीक्षण का उद्देश्य बच्चों के हितों की सुरक्षा के साथ उन्हें बेहतर वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना रहा। निरीक्षण के दौरान अधिकार मित्र अनिल कुमार मंडावी, प्रबंध कार्यालय केशकाल, वर्षा केमरो, थाना केशकाल, चमेली यादव, थाना धनोरा तथा छात्रावास अधीक्षक उपस्थित रहे।

गुरुओं को नमन: आरआरवीयूएनएल ने 15 गांवों के 150 शिक्षकों का किया सम्मान

अम्बिकापुर: शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 150 शिक्षकों का सम्मान कर आरआरवीयूएनएल ने समाज में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को नई पहचान दी। कंपनी की सीएसआर पहल के तहत अदाणी विद्या मंदिर, साल्ही में आयोजित ÷गुरु सम्मान÷ कार्यक्रम में परसा परियोजना क्षेत्र के 15 गांवों के 45 शासकीय विद्यालयों से जुड़े शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने शिक्षा, समुदाय और विद्यालयों के बीच सकारात्मक सहभागिता को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। छात्रा इराम ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर क्लस्टर एचआर हेड राम द्विवेदी ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का संचार नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य के सपने देखने की प्रेरणा भी जगाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम में क्लस्टर एचआर हेड एवं एसोसिएट जीएम लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 150 शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षक परसा, साल्ही, बासेन, चकेरी, घाटबर्रा, फतेहपुर, तारा, जनार्दनपुर, शिवनगर, गुमगा, सैदू, सुस्काम, परोगिया, सरमा एवं पेंड्रीखी सहित आसपास के गांवों के 45 शासकीय विद्यालयों से जुड़े थे। कार्यक्रम में शासकीय हाई स्कूल परसा के सीएसी एवं प्राचार्य राजकुमार चंद्रा, सुनील कुमार यादव (सीएसी, पेंड्रीखी), वेद प्रकाश देवांगन (सीएसी, तारा), विजय कुमार यादव (सीएसी, गुमगा) तथा सत्येन्द्र नाथ योगी (सीआरसी, घाटबर्रा) विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सत्येन्द्र नाथ योगी ने कहा, ÷सरकारी शिक्षकों का सम्मान करना एक सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन शिक्षकों के योगदान को मान्यता देने के साथ विद्यालयों, समुदाय और विभिन्न हितधारकों के बीच संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं। शिक्षक ही देश के भविष्य के निर्माता हैं, जो विद्यार्थियों को सफल और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा प्रदान करते हैं। आरआरवीयूएनएल द्वारा परसा परियोजना क्षेत्र में शिक्षा के विकास हेतु अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। इनमें जवाहर नवोदय विद्यालय, प्रयास, एकलव्य एवं सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रतियोगी कोचिंग केन्द्रों का संचालन, अदाणी विद्या मंदिर के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा शासकीय विद्यालयों में अध्ययन सामग्री, डेस्क-बेंच, वाटर फिल्टर, खेल सामग्री और शौचालय जैसी आधारभूत सुविधाओं का विकास शामिल है।

NBBL के बैंकिंग कनेक्ट ने लॉन्च किए नए फीचर्स

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफइंडिया (NPCI) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, NPCI भारत बिलपे लिमिटेड (NBBL) ने बैंकिंग कनेक्ट पर मैंडेट्स और लियन मार्किंग के साथ-साथ अकाउंट वेरिफिकेशन, जिसे थर्ड पार्टी वैलिडेशन (TPV) के नाम से भी जाना जाता है, शुरू करने की घोषणा की। यह लॉन्च ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में किया गया, जिससे मौजूदा बैंकिंग कनेक्ट प्लेटफॉर्म की क्षमताओं का और विस्तार हुआ।

बैंकिंग कनेक्ट पर मैंडेट्स - बैंकिंग कनेक्ट पर मैंडेट्स के माध्यम से ग्राहक अपने बैंक को सहमति से तय शर्तों के अनुसार किसी मर्चेंट को भुगतान करने के लिए स्थायी निर्देश दे सकेंगे। ग्राहक OTP, MPIN या बायोमेट्रिक्स जैसी समर्थित प्रमाणीकरण विधियों का उपयोग करके अपने बैंक के ऐप या वेबसाइट के माध्यम से एक बार मैंडेट को मंजूरी देंगे। इसके बाद जारीकर्ता बैंक एक यूनिक मैंडेट नंबर (UMN) जनरेट करेगा। मैंडेट में ग्राहक की मंजूरी से पहले निर्धारित या अधिकतम सीमा वाली राशि, भुगतान की तारीख या आवृत्ति और वैधता अवधि को स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा।

बैंकिंग कनेक्ट मैंडेट के पूरे जीवनचक्र को सपोर्ट करता है, जिसमें मैंडेट बनाना, भुगतान निष्पादित करना, राशि या अंतिम तिथि में बदलाव करना, रोकना, दोबारा शुरू करना, रद्द करना, ग्राहक को सूचनाएँ भेजना और स्टेटस की जाँच करना शामिल है। इसके बाद भविष्य के भुगतान ग्राहक द्वारा स्वीकृत शर्तों के अनुसार स्वत: किए जा सकते हैं। उपभोक्ता संरक्षण के उपाय के रूप में, एग्रीगेटर निर्धारित डेबिट से 48 घंटे पहले बैंक को सूचित करता है। इसके बाद बैंक ग्राहक को डेबिट से कम से कम 24 घंटे पहले इसकी सूचना देता है।

बैंकिंग कनेक्ट पर लियन मार्किंग - लियन मार्किंग के माध्यम से ग्राहक के खाते में धनराशि को अलग रखकर ब्लॉक किया जा सकेगा, बिना उसे तुरंत डेबिट किए। ब्लॉक की गई राशि ग्राहक की ही रहती है, लेकिन उसका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। संबंधित प्रक्रिया पूरी होने पर ही यह राशि डेबिट की जाती है, जैसे शेयरों का आवंटन या बीमा पॉलिसी जारी होना। यदि लेनदेन पूरा नहीं होता है, तो ब्लॉक की गई राशि ग्राहक के उपयोग के लिए फिर से जारी कर दी जाती है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2026 के साथ 36 युवा भारतीय नवोन्मेषक अपने विचारों को राष्ट्रीय मंच तक ले गए

सैमसंग इंडिया ने आज Samsung सॉल्व फॉर टुमॉरो 2026 के शीर्ष 20 अंतिम प्रतिभागियों की घोषणा की। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो तकनीक और शिक्षा को एक साथ लाकर युवाओं को रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल के साथ भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में विकसित होने में मदद करता है। एक वैश्विक समस्या-समाधान मंच के रूप में, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो दुनिया भर के युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित का उपयोग करके बेहतर भविष्य बनाने में मदद करता है। प्रतिभागी अपने समुदायों में मौजूद समस्याओं की पहचान करते हैं और तकनीक की मदद से उनके रचनात्मक समाधान विकसित करते हैं। अपने पांचवें संस्करण में, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2026 पूरे भारत से युवा नवोन्मेषकों को एक साथ ला रहा है, जो अपने आसपास दिखाई देने वाली समस्याओं को तकनीक आधारित समाधानों में बदल रहे हैं। शीर्ष 20 में शामिल आधे से अधिक प्रतिभागी दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से हैं। अंतिम प्रतिभागी 12 राज्यों के 18 शहरों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो यह दर्शाता है कि युवाओं के नेतृत्व में होने वाला नवाचार भारत के पारंपरिक तकनीकी केंद्रों से आगे भी तेजी से विस्तार कर रहा है। इस वर्ष के शीर्ष 20 में जो बात सबसे अधिक खास है, वह केवल वह तकनीक नहीं है जिसे वे विकसित कर रहे हैं, बल्कि वे समस्याएं भी हैं जिन्हें उन्होंने हल करने के लिए चुना है। पूरे भारत से आए युवा नवोन्मेषक अपने समुदायों की चुनौतियों को करीब से समझ रहे हैं - चाहे वह सुगम्यता और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी हों या कृषि, प्रदूषण और खेल से ङ्क और यह सोच रहे हैं कि तकनीक किस तरह बदलाव ला सकती है। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो उन्हें अवसर, मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करता है, ताकि स्थानीय जरूरत से जुड़ी किसी सोच को ऐसे समाधान में बदला जा सके, जिसमें व्यापक प्रभाव पैदा करने की क्षमता हो, सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के कॉरपोरेट उपाध्यक्ष एसपी चुन ने कहा। इस वर्ष के अंतिम प्रतिभागियों के बीच एक प्रमुख रुझान तकनीक को अधिक उपयोगी और सुलभ बनाने पर केंद्रित है।

GFF 2026 में नवाचारों का अनावरण

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) के सचिव, संजय लोहिया ने देश में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) 2026 में कई नवाचारों का शुभारंभ किया। इन पहलों में तत्काल रुपे कार्ड और मर्चेंट यूपीआई क्यूआर जारी करने के लिए ओपन-सोर्स (एंड्रॉयड) एटीएम की शुरुआत, चुनिंदा सरकार समर्थित ऋण योजनाओं के लिए 'यूपीआई पर क्रेडिट लाइन' की सुविधा तथा आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS) के तहत थ्री-पार्टी कैश डिपॉजिट की शुरुआत शामिल है। यह घोषणा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), श्री सौरभ विजय की उपस्थिति में की गई।

रुपे कार्ड और मर्चेंट क्यूआर जारी करने के लिए ओपन-सोर्स (एंड्रॉयड) एटीएम - यह समाधान ग्राहकों को एक सरल सेल्फ-सर्विस प्रक्रिया के माध्यम से एटीएम से सीधे तत्काल व्यक्तिगत रुपे डेबिट, क्रेडिट और एनसीएमसी कार्ड प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। ओपन-सोर्स (एंड्रॉयड) एटीएम यूपीआई आधारित भुगतान स्वीकार करने के लिए मर्चेंट क्यूआर कोड भी जारी करेगा, जिससे व्यापारी आसानी से क्यूआर कोड स्थापित कर सकेंगे और भुगतान स्वीकार करना शुरू कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, ये एटीएम चेक जमा करने, खाता खोलने और ऋण के लिए आवेदन करने जैसी बैंकिंग सेवाएं भी उपलब्ध कराएंगे।

त्स्नस्न के अतिथियों और प्रतिभागियों ने त्स्नस्न आयोजन स्थल पर विभिन्न स्थानों पर लगाए गए ओपन-सोर्स एटीएम का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस समाधान का उद्देश्य एटीएम की भूमिका को केवल नकद निकासी और जमा करने वाली मशीनों तक सीमित रखने के बजाय, उन्हें स्मार्ट ग्राहक सेवा और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच के केंद्र के रूप में विकसित करना है। ग्राहक अब कूरियर से कार्ड की डिलीवरी का इंतजार किए बिना या बैंक शाखा में जाए बिना सीधे मशीन से अपने कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, व्यापारी यूपीआई आधारित भुगतान स्वीकार करने के लिए तत्काल क्यूआर कोड प्राप्त कर सकते हैं। बैंक इन एटीएम को डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स (DBUs) के रूप में उपयोग करने की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। इससे वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार कर सकेंगे, जहां पारंपरिक शाखा अवसंरचना सीमित हो सकती है।

नियमितीकरण सहित विभिन्न मांगों को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन

- 'एक मांग-एक मंच अभियान' के बैनर तले
- कर्मचारियों ने महँगाई भत्ता, नियमितिकरण सहित 5 सूत्रीय माँगों के लिए मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के शासकीय विभागों में कार्यरत नियमित, अनियमित एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी/अधिकारी अपनी मांगों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन मिलकर अपनी समस्याओं यथा समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी महँगाई भत्ता के अनुरूप महँगाई भत्ता, अनियमित कर्मचारियों को नियमितिकरण, आउट सोर्सिंग बंद करने जैसे विषयों पर ज्ञापन सौंप कर अनुरोध करते आ रहे है लेकिन शासन-प्रशासन कर्मचारियों के मांग पर गंभीर नही है।

छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी 2023- वचनबद्ध सुशासन अंतर्गत पृष्ट 26 से 30 में बिन्दुवार समस्त वर्ग के कर्मचारी/अधिकारियों एवं पेंशनरों के सम्बन्ध में स्पष्ट वादा किया गया है परन्तु सरकार इस वादा की अनदेखी कर आर्थिक शोषण कर रही है।

आर्थिक शोषण के खिलाफ क्रमिक आंदोलन के क्रम में 5 सूत्रीय मांगों को लेकर विभागाध्यक्ष इंद्रावती भवन में पदस्थ संगठन प्रमुख करन सिंह अटेरिया, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संघ, श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कोषालयीन कर्मचारी संघ एवं गोपाल प्रसाद साहू प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन के नेतृत्व में ''एक मांग-एक मंच अभियान'' के बैनर तले नियमित, अनियमित एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी/अधिकारी 11 सितम्बर, 2026, शुक्रवार को भोजनावकाश में ''इंद्रावती भवन'' के सामने सांकेतिक प्रदर्शन कर नोडल अधिकारी इन्द्रावती भवन को मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम से ज्ञापन सौंपा। सांकेतिक प्रदर्शन में 55 से अधिक नियमित, अनियमित कर्मचारी/अधिकारी एवं पेंशनर्स संघों के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। करन सिंह अटेरिया संयोजक एक मांग एक मंच एवं गोपाल प्रसाद साहू प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन ने संयुक्त रूप से बताया कि आज के सांकेतिक प्रदर्शन के पश्चात सरकार कर्मचारियों के मांगों पर विचार नहीं करती है तो 30 अक्टूबर 2026 को जंगी प्रदर्शन कर मंत्रालय घेराव किया जावेगा।

सांकेतिक प्रदर्शन में करन सिंह अटेरिया प्रांताध्यक्ष प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़, गोपाल प्रसाद साहू, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन, अनिल पांडेय प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, डॉ. डी पी मनहर, प्रांतीय अध्यक्ष प्रगतिशील पेंशनधारी कल्याण संघ, जितेन्द्र सिंह ठाकुर पूर्व अध्यक्ष प्रदेश कोषालयीन शासकीय कर्मचारी संघ, विकास सिंह राजपूत प्रांताध्यक्ष नवीन शिक्षक संघ, मीना राजवाड़े प्रांताध्यक्ष प्रगतिशील महिला पर्यवेक्षक संघ, चंद्रिका सिंह प्रदेश संयोजक पैंशनर फ़ोरम, पी आर साहू प्रांताध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी संघ, सुजान बिंद पूर्व अध्यक्ष प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, बालकिशन साहू संरक्षक छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक संघ, दिलीप कुमार यदु अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज शासकीय कर्मचारी संघ, राज कुमार पांडेय प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ वन विभागीय वाहन चालक शासकीय कर्मचारी संघ एवं उनके प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री आवास के हितग्रहियों को 30 सितंबर तक अपना आवास पूर्ण करना होगा : सीएमओ

- निर्माण की गुणवत्ता को लेकर दिये सख्त निर्देश

कवर्धा (विश्व परिवार)। नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का आज मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन आवासों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता एवं कार्य की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी आवासों का निर्माण गुणवत्तापूर्वक एवं शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार कराया जाये।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 की मिशन अवधि केवल प्रगतिरत आवासों को पूर्ण किये जाने हेतु 30 सितंबर 2026 तक नियत की गई है शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि के पश्चात् राज्य शासन द्वारा अपूर्ण आवासो हेतु कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध नही कराया जायेगा। जिसके जिम्मेदार स्वयं होगें।

अप्रारंभ आवास का होगा निरस्तीकरण

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 अंतर्गत शहर में चल रहे कार्यो का निरीक्षण किया गया। जिसमें मनोज कुमार लहरे पिता सरजू लहरे वार्ड क्रं. 17, श्रीमती प्रतिमा पारधी पति चंद्रिका पारथी वार्ड क्रं. 09, श्रीमती गिरजा बाई पति राजेन्द्र भट्ट वार्ड क्रं. 17, श्रीमती यशोदा सोनवानी पति लुकुस वार्ड क्रं. 18, श्रीमती संगीता निषाद पति परदेशी वार्ड क्रं. 17 एवं श्रीमती गंगोत्री मल्हा पति सोनू मल्हा वार्ड क्रं 17 के मकानों का निरीक्षण कर सभी हितग्राहियों को समझाईश दिया गया है कि दिनांक 30 सितंबर 2026 तक अपने अपूर्ण आवास को पूर्ण कर ले अन्यथा शासन द्वारा आपको प्रदाय की गई राशि भी वापसी किये जाने कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास 1.0 के अप्रारंभ आवास हितग्राहियों का नाम भी विलोपित किये जाने का निर्देश दिया गया।

सतत् मॉनिटरिंग किये जाने दिये निर्देश

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की महत्वपूर्ण एवं जनकल्याणकारी योजना है जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को स्वयं का पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जा रहा है।

पोटियाकला में 20 लाख की लागत से बनेगा कर्मा भवन का प्रथम तल

- महापौर अलका बाघमार ने किया कर्मा भवन के प्रथम तल का भूमिपूजन

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 54 पोटियाकला स्थित दशहरा मैदान में कर्मा भवन (सांस्कृतिक भवन) के प्रथम तल के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर अलका बाघमार द्वारा किया गया। लगभग 20 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य से क्षेत्रवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार के साथ आयुक्त लीना कोसम, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद हीरौंदी चंदानिया, सविता साहू, सजान जोसफ मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, लालेश्वरी साहू, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, करण यादव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कर्मा भवन का प्रथम तल बनने से वार्डवासियों को विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक बेहतर और सुविधायुक्त स्थान मिलेगा। निगम क्षेत्र में नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय-सीमा में पूरा हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

तारा कोल ब्लॉक पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर

- भूपेश बघेल और जयराम रमेश प्रदेश को गुमराह करना बंद करें : भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी ने तारा कोल ब्लॉक को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस इस मामले में अपने ही पुराने फैसलों को छिपाकर प्रदेश की जनता को गुमराह कर रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि आज जिस तारा और हसदेव-अरण्य के नाम पर कांग्रेस पर्यावरण की दुहाई दे रही है, वहां खनन का रास्ता खोलने और वन स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का काम स्वयं कांग्रेस ने किया है।

भाजपा नेता सौरभ सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने कार्यकाल में स्वयं केंद्र सरकार से तारा कोल ब्लॉक CMDC को आवंटित करने का आग्रह किया था। जून 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कोयला मंत्री के समक्ष तारा कोल ब्लॉक CMDC को देने की मांग रखी थी। ऐसे में भूपेश बघेल को प्रदेश की जनता को यह बताना चाहिए कि यदि तारा में खनन पर्यावरण के लिए इतना ही विनाशकारी था, तो मुख्यमंत्री रहते हुए वे स्वयं इसी तारा कोल ब्लॉक को CMDC को दिलाने का आग्रह क्यों कर रहे थे? आज उसी ब्लॉक के नाम पर उनका विरोध कांग्रेस के राजनीतिक दोहरेपन को उजागर करता है।

श्री सिंह ने कहा कि हसदेव-अरण्य क्षेत्र में खनन का मार्ग तत्कालीन UPA सरकार के कार्यकाल में ही खोला गया था। तारा एवं परसा ईस्ट एवं केते बासन (PEKB) के संबंध में Forest Advisory Committee (FAC) द्वारा अनुशंसा नहीं किए जाने के बावजूद तत्कालीन केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री जयराम रमेश ने दोनों परियोजनाओं को क्लीयरेन्स देने का फैसला किया था। तारा को 23 जून 2011 को स्टेज-I वन स्वीकृति दिए जाने का रिकॉर्ड है। आज वही जयराम रमेश तारा को लेकर रोना रहे हैं। कांग्रेस को पहले अपने शासनकाल में लिए गए इन निर्णयों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति कांग्रेस नीत यूपीए से बिल्कुल अलग और स्पष्ट है। अभी तारा कोल ब्लॉक में खनन की अनुमति नहीं दो गयी है। भारत सरकार की खुली, प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी commercial coal e-auction में CG Syn-Gas and Chemicals Limited सफल बोलीदाता रही है।

'राष्ट्रीय पोषण माह' के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- शासकीय महेंद्र कर्मा कन्या महाविद्यालय में चित्र प्रदर्शनी एवं विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अंतर्गत 12 सितंबर को शासकीय महेंद्र कर्मा कन्या महाविद्यालय, दंतेवाड़ा में चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य संतुलित आहार, पोषण, स्वस्थ जीवनशैली एवं स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों और आमजन को जागरूक करना है। कार्यक्रम में दंतेवाड़ा विधायक श्री चैतराम अटामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती तनूजा बेलसरिया द्वारा पोषण एवं महिला-बाल स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर जानकारी दी जाएगी। वहीं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभम उइके आत्महत्या की रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर विद्यार्थियों को जानकारी देंगे।

कार्यक्रम स्थल पर पोषण, स्वच्छता, स्वस्थ जीवनशैली एवं कुपोषण से बचाव पर आधारित चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही विषय आधारित रंगोली, चित्रकला, मेहंदी एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती अर्चना झा के मार्गदर्शन में छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रहेगी। गीत एवं नाटक दल द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भंडारा सड़क दुर्घटना पर जताया गहरा शोक

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर घायलों और प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अधिकारियों की टीम रवाना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के नागरिकों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार एवं स्थानीय प्रशासन से निरंतर समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घायलों के समुचित उपचार और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ से अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल के लिए भेज दी गई है। छत्तीसगढ़ सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उरकुरा स्टेशन प्री नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है 7 इसी संदर्भ में अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में उरकुरा स्टेशन के यार्ड रीमॉडलिंग कार्य तथा उरकुरा (ईस्ट)- रायपुर स्टोर डिपो दोहरीकरण कार्य के संबंध में प्री-नॉन इंटरलॉकिंग (Pre-NI) एवं नॉन इंटरलॉकिंग (NI) कार्य किया जाएगा। यह कार्य 12 एवं 13 सितंबर 2026 को निर्धारित है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस दौरान कुछ यात्री ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। प्रभावित होने वाली गाड़ियों का विवरण इस प्रकार है। रद्द होने वाली गाडियां : दिनांक 13 सितम्बर, 2026 को गाडी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। दिनांक 13 सितम्बर, 2026 को गाडी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। दिनांक 13 सितम्बर, 2026 को गाडी संख्या 68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

बलौदाबाजार में राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर, जमकर की नारेबाजी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। यूनाइटेड फेरम ऑफ़बैंक यूनियनस के आह्वान पर देश के सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के आठ लाख अधिकारी व कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे. अरबों का लेनदेन हुआ प्रभवित. निजी क्षेत्र के बैंकों से मिली राहत. बलौदाबाजार! सप्ताह मे पांच कार्य दिवस की मांग एवं प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन PLI को लेकर यूनाइटेड फेरम ऑफ़ बैंक यूनियनस के आह्वान पर आज 11 सितम्बर को नगर के भारतीय स्टेट बैंक समेत सभी राष्ट्रीयकृत बेंको के अधिकारी कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे. इस हड़ताल मे देश के 8 लाख से अधिक अधिकारी व कर्मचारी ने बैंको के समक्ष नारे लगा कर प्रदर्शन किया. इनकी हड़ताल से अरबों रुपयों का लेनदेन प्रभावित हुआ. जिला संगठन सचिव मनोज साहू के नेतृत्व मे नगर के सभी राष्ट्रीकृत बैंको के कर्मचारी अधिकारीयों ने एस बी आई की गार्डन चौक मुख्य शाखा के समक्ष अपनी मांगो के समर्थन मे नारे लगाए. इस अवसर पर सहायक जनरल सेक्रेटरी अवार्ड स्टाफ यूनियन, बिलासपुर मंडल गुलशन बारला विशेष रूप से उपस्थित थे. मनोज साहू व गुलशन बारला ने बताया की उनकी मांगों को भारतीय बैंक संघ ने सैद्धांन्तिक रूप से स्वीकार का लिया है जो वित्त मंत्रालय मे अंतिम स्वीकृति हेतु लबित है. उन्होंने बताया की भारत मे आज ब्रिक्स सम्मेलन की बैठक हो रही है और इसमें सम्मिलित हो रहे सभी देशों मे पांच दिवसीय कार्य दिवस योजना लागू है।

सीलबंदी की कार्यवाही के समय बड़े बकायेदार संपत्ति कर तुरंत जमा किया

रायपुर (विश्व परिवार)। जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत् आयुक्त महोदय अपर आयुक्त महोदय, उपायुक्त महोदया, जोग आयुका महोदय के निर्देशानुसार आज दिनांक 11.09.2026 को कई वर्षों से बहवा राजा नहीं करने वाले बड़े बकायादारों को डिमांड बिल, डिमांड नोटिस जारी करने के उपरांत भी आज दिनांक तक संपत्तिकर जोन कार्यालय में जमा नहीं करने के कारण शक्ति से कार्यवाही करते हुए व्यावसायिक परिसरों को बंद की कार्यवाही की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है,वार्ड का नाम वह क्रमांक 1 रानी दुर्गावती वार्ड क्रमांक 49 प्रॉपर्टी आईडी क्रमांक आरपीआई 445 b00381 कनिका मंडल 2. रानी दुर्गावती वार्ड क्रमांक 49 प्रॉपर्टी आईडी क्रमांक आरपीआई 445 और 00043 संतोष कुमार ओझा 3. पंडित विद्या चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 50 प्रॉपर्टी ईद क्रमांक आरपीआई 446 एस 00717 सरिता बाजपाई 4. डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 प्रॉपर्टी आईडी आईपीआर 446 के 00 53 ए बलविंदर कौर खनूजा 5. डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 प्रॉपर्टी आईडी क्रमांक आरपीआई 446 j 0 1384 मोनिका रियल बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड, कुल बकाया राशि 7480 24 जिसमें तत्काल राजस्व वसूली 167370 संपत्ति टैक्स कर जमा किया गया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की बड़ी कार्रवाई

- वास्तुविद फर्म जी.टी. डिज़ाइन स्टूडियो, रायपुर के अनुबंध समाप्त करने के दिए निर्देश

CGHIDB
CHHATTISGARH HOUSING AND INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT BOARD

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा निर्माण कार्यों में तकनीकी गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए वास्तुविद फर्म जी.टी. डिज़ाइन स्टूडियो, रायपुर के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। जिला कोरबा अंतर्गत निर्मित कन्वेंशनल हॉल मे निर्माण के डिटेल डिजाइन में त्रुटि एवं प्रस्ताव में तकनीकी कमियां पाए जाने के बाद फर्म के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है।

उक्त प्रकरण में मंडल द्वारा फर्म को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। फर्म द्वारा प्रस्तुत पालन प्रतिवेदन/स्पष्टीकरण का अपर आयुक्त द्वारा परीक्षण किए जाने के पश्चात उसे संतोषजनक नहीं पाया गया।

इसी क्रम में मंडल द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं कि जी.टी. डिज़ाइन स्टूडियो, रायपुर द्वारा वर्तमान में विभिन्न संभागों के अंतर्गत जिन योजनाओं में वास्तुविद संबंधी कार्य किए जा रहे हैं, उन सभी योजनाओं में फर्म के अनुबंध समाप्त करने की आवश्यक कार्रवाई नियमानुसार की जाए।

फर्म से संबंधित योजनाओं के अनुबंध समाप्त किए जाने के निर्देश दिए गए हैं रिडेवलपमेंट योजना, कैलाश नगर, राजनांदगांव, रिडेवलपमेंट योजना, रामानुजगंज, जिला बलरामपुर, आवासीय योजना, कबीर नगर फेस-02 (05 एकड़ भूमि), अटल विहार योजना, बंधी, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। संबंधित योजनाओं के कार्यपालन अभियंताओं को निर्देशित किया गया है कि जी.टी. डिज़ाइन स्टूडियो, रायपुर को लिखित रूप से सूचित करते हुए संबंधित योजनाओं के अनुबंध समाप्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही, अनुबंध समाप्ति के पश्चात उक्त योजनाओं में फर्म द्वारा किसी भी प्रकार का आगामी कार्य नहीं किया जाएगा तथा नियमानुसार किसी भी प्रकार के दावे के भुगतान की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा गत दिनों वास्तुविदों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में निर्माण कार्यों में तकनीकी गुणवत्ता, डिजाइन की शुद्धता एवं सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही, निर्माण कार्यों में डिजाइन संबंधी त्रुटि पाए जाने पर संबंधित वास्तुविद फर्म की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए थे।

मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने कहा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की योजनाएं आम नागरिकों के हित से सीधे जुड़ी हुई हैं। इन योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप निर्माण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्य की शुरुआत से लेकर उसके पूर्ण होने तक डिजाइन, तकनीकी मानकों और गुणवत्ता की जिम्मेदारी से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। वास्तुविद फर्मों एवं संबंधित तकनीकी एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे पूरी गंभीरता और विशेषज्ञता के साथ कार्य करें। डिजाइन अथवा तकनीकी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित फर्म की जवाबदेही तय की जाएगी और नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम का टंकी सफाई अभियान, न्यू सिविल लाईन पानी टंकी की होगी सफाई

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा बारिश में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने सभी पानी टंकियो कि सफाई कराया जाना है। इसी कडी में न्यू सिविल लाईन टंकी (क्षमता 15.00 लाख लीटर) की कल सफाई की जानी है, जिसके कारण न्यू सिविल लाईन टंकी (क्षमता 15.00 लाख लीटर) स्थित उच्च स्तरीय जलागार नहीं भर पायेगा। इस वजह से उक्त टंकी से कल दिनांक 12 सितम्बर 2026 दिन शनिवार को शाम के समय पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। 13 सितम्बर रविवार की सुबह से सप्लाई यथावत रहेगी।

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL) AU & PC, CSPGCL,
Shed No. 2, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2576320 & 0771-2576324, website :www.cspc.co.in E-mail:- cecivil.aupc@gmail.com

No.03-15/W/503212 Raipur, date-07-09-2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible bidders fulfilling the eligibility criteria as mentioned below and having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only for the following work :-

Sl. No	Tender Specification No.	Name of Work	NIT value i/c 18% GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)	RFx No.
1	CEC/AU&PC/ABVTPS -MRW/W/ 2026/36	Providing services for issuing gate pass to ash transporter from ash dyke of 2x500 MW ABVTPS Marwa.	7.47 Lacs	7500/-	06 Month	81000 54157

Note: - 1. Cost of tender form is Rs. 590/- (Rs. 500/- + 18% GST).2. The due date & time for submission of bids, Tender Cost & EMD is 05.09.2026 (up to 15:00 Hrs).3. Bid opening date (Techno commercial bids) is 07.10.2026 (at 16:00).4. Maintenance period for the work shall be Nil.5. In case, the rate quoted by the bidder is on abnormally lower side, a performance guarantee @5% of contract value i/c GST in addition to Security Deposit shall have to be deposited by the bidder.The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in: 50724/irj /portal.

Chief Engineer (Civil) AU & PC, CSPGCL, Raipur

//Save Electricity// Samvad- 49021/3

दैनिक
विश्व परिवार महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 12 सितम्बर 2026

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन आगामी 12 सितंबर 2026 को किया जाएगा। इसे लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा आम नागरिकों को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दिया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा ने आमजनों से अपील की है कि वे नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए आगे आएं।

राज्यपाल डेका, सीएम साय और विधानसभा अध्यक्ष रमन ने सपरिवार देखी फिल्म 'हनुमान अंश'

- मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जोरा मॉल के सिनेमाघर में सपरिवार फिल्म 'हनुमान अंश' देखी। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी सपरिवार उपस्थित रहे। मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षों ने भी फिल्म देखी।

फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा से समाज को परिचित कराने वाली ऐसी प्रेरणादायी फिल्में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए। फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने से प्रदेश के अधिकाधिक दर्शकों, विशेषकर युवाओं को भारत की समृद्ध संत परंपरा और उसके जीवन मूल्यों को जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सत्य, सेवा, करुणा, प्रेम और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया है। संतों ने अपने जीवन और आचरण के माध्यम से समाज को मानवता और लोककल्याण का संदेश दिया है। नीम करौली बाबा का जीवन भी इसी महान परंपरा का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सीख देता है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीम करौली बाबा ने अत्यंत सरल शब्दों और सहज जीवन के माध्यम से प्रेम, सेवा और भक्ति का संदेश दिया। उनके विचारों में मानवता और सभी के प्रति समान भाव सर्वोपरि रहा। उनका यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है और समाज को सकारात्मक दिशा देने की सामर्थ्य रखता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के निर्माताओं, निर्देशक, कलाकारों एवं पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज तक विचार, संस्कार और प्रेरणा पहुंचाने का भी प्रभावी माध्यम है। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा पर आधारित सकारात्मक फिल्में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति उसकी हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं और जीवन मूल्यों में निहित है। सेवा, करुणा, सद्भाव और मानव कल्याण जैसे मूल्यों को आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में इन मूल्यों को सरल और प्रभावी रूप में समाज तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास हैं।

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय से निर्देश, स्मार्ट मीटर अनिवार्य

- उपभोक्ताओं को मिलेगी सटीक और पारदर्शी बिलिंग की सुविधा - स्मार्ट मीटर को लेकर सीएसपीडीसीएल ने स्थिति स्पष्ट की

रायपुर (विश्व परिवार)। स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं के बीच बनी असमंजस की स्थिति को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने स्थिति स्पष्ट की है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने 12 अगस्त 2026 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

विद्युत मंत्रालय के पत्र के अनुसार, जहां संचार नेटवर्क उपलब्ध है, वहां सभी उपभोक्ताओं को भारतीय मानकों के अनुरूप स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली आपूर्ति की जानी है। स्मार्ट मीटर लगाना आवश्यक है ।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को सटीक और पारदर्शी बिजली बिल मिलेगा। साथ ही, वे अपनी बिजली खपत पर नजर रख सकेंगे। भविष्य में इससे समय आधारित बिजली दर (ToD) का लाभ भी लिया जा सकता है। उपभोक्ता अधिक दर वाले समय के बजाय कम दर वाले समय में बिजली का उपयोग बढ़ाकर अपने बिजली बिल में कमी ला सकते हैं। स्मार्ट मीटर से बिजली वितरण कंपनी को बिजली की खपत का सही लेखा-जोखा रखने और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में भी मदद मिलेगी।

प्रकरण की जांच में स्मार्ट मीटर की रीडिंग शत-प्रतिशत सही

बैकुंठपुर में स्मार्ट मीटर और चेक मीटर की रीडिंग में अंतर की जानकारी मिलने पर सीएसपीडीसीएल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षण अभियंता से जांच कराई। जांच में पाया गया कि 7 अगस्त 2026 को चेक मीटर की वास्तविक रीडिंग 2777 यूनिट थी, जबकि पूर्व में 2589 यूनिट दर्ज की गई थी। मेनुअली रीडिंग के कारण क्लेरिकल/डाटा दर्ज करने की त्रुटि हुई। 27 जुलाई को चेक मीटर लगाए जाने के समय स्मार्ट मीटर की रीडिंग 5374 यूनिट तथा चेक मीटर की रीडिंग 2474 यूनिट थी। 7 अगस्त को ये रीडिंग क्रमशः 5676 और 2777 यूनिट दर्ज हुईं। इस अवधि में स्मार्ट मीटर की खपत 302 यूनिट और चेक मीटर की 303 यूनिट रही। दोनों में केवल 1 यूनिट का अंतर पाया गया। रीडिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग से भी स्थिति स्पष्ट हुई। चेक मीटर की रीडिंग मैनुअल रूप से ली और दर्ज की जाती है, इसलिए मानवीय त्रुटि की आशंका रहती है। स्मार्ट मीटर में रीडिंग स्वचालित रूप से दर्ज होने से ऐसी मैनुअल प्रविष्टि संबंधी त्रुटि की संभावना नहीं रहती और उपभोक्ता को अपनी बिजली खपत की जानकारी अधिक पारदर्शी एवं सटीक रूप से मिलती है। जांच में स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली में किसी प्रकार की विसंगति नहीं पाई गई।

छत्तीसगढ़ में तेज गति से हो रहा अन्त्योदय और ग्रामीण विकास की दिशा में काम : भाजपा

- प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल ने सक्ती में विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात और 2 लाख गरीबों के गृह प्रवेश पर भाजपा ने केंद्र व विष्णुदेव सरकार का जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. (श्रीमती) किरण बघेल ने सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, आवास, महिला सशक्तीकरण और आजीविका से जुड़ी दी गई विकासपरक सौगातों के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि-किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री द्वय विजय शर्मा व अरुण साव सहित केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. (श्रीमती) बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास' को धरातल पर उतारते हुए छत्तीसगढ़ की 'डबल इंजन' सरकार जन-कल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शुक्रवार को सक्ती में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत नवनिर्मित 2 लाख आवासों में हितग्राहियों का ससम्मान गृह प्रवेश कराया जाना राज्य के गरीब, वंचित और ग्रामीण परिवारों के जीवन में एक नए युग की शुरुआत है। हर गरीब के सिर पर अपनी पक्की छत का सपना साकार कर भाजपा सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता सदैव अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान रही है। श्रीमती बघेल ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान 122 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 39 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। यह अभूतपूर्व सौगात सक्ती क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती देगी और सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी।

छत्तीसगढ़ में पोषण जागरूकता अभियान को मिल रही गति, आंगनबाड़ी केंद्र बने जनभागीदारी के केंद्र

- संतुलित आहार, एनीमिया से बचाव और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को लेकर प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियां

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में पोषण माह 2026 के तहत बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा किशोरी बालिकाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों के सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित करते हुए संतुलित आहार, एनीमिया से बचाव, स्वच्छता, वृद्धि निगरानी एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति समुदाय को जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के आकांक्षी विकासखंड शंकरगढ़ में पोषण माह के अंतर्गत विशेष गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में सुधार लाते हुए निर्धारित लक्ष्यों की संतृप्ति सुनिश्चित करना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं विभागीय अमले द्वारा समुदाय की सक्रिय सहभागिता के साथ पोषण संबंधी जानकारी घर-घर और समुदाय तक पहुंचाई जा रही है।

इसी कड़ी में परियोजना शंकरगढ़ के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र बचवार में पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा समुदाय के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व, एनीमिया से बचाव, स्वच्छता, बच्चों की नियमित वृद्धि निगरानी और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी गई। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने के लिए भी प्रेरित किया गया। पोषण माह के दौरान कुपोषण की रोकथाम और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

जनता को लूटने, गैरकानूनी तरीके से स्मार्ट मीटर जबरिया थोप रही है सरकार : दीपक

रायपुर (विश्व परिवार)। बिजली के स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता थोपने पर आक्रोश जताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि एक तरफ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने संसद में स्पष्ट किया है कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं हैं, बल्कि यह उपभोक्ताओं की पसंद और राज्य बिजली बोर्डों के क्रियान्वयन पर निर्भर है लेकिन अब केंद्र सरकार धोखेबाजी पर उतर आई है और राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप कर रही है। राज्य की बिजली कंपनियों पर स्मार्ट मीटर का मॉडल जबरन थोप रही है।स्मार्ट मीटर की आपूर्ति और उनके। संचालन का ठेका निजी कंपनियों को देकर निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि बिजली समवर्ती सूची का विषय है केंद्र नीतियां तो बना सकता है, लेकिन किसी भी राज्य में उपभोक्ता स्तर पर इसे लागू करना राज्य सरकार और स्थानीय विद्युत नियामक बोर्ड (SERC) के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र ने इसे एक नीतिगत लक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया है, कानूनी रूप से उपभोक्ता के लिए अनिवार्य बाध्यता के रूप में नहीं, लेकिन भाजपा की सरकार अब नोटिस भेज कर बिजली उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगाने बाध्य कर रही है। गरीब और मध्यवर्ग के लिए प्रीपेड रिचार्ज न करा पाने पर तुरंत बिजली कट जाने की आशंका को लेकर विरोध किया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार जनता से वादाखिलाफी कर रही है संसद में मोदी सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है कि स्मार्ट मीटर लगाना या नहीं लगाना यह तय करना उपभोक्ता अधिकार है।

रायपुर रेल मंडल में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक तीन माह का सतर्कता निवारक अभियान

- सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय के साथ ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही का दिया जाएगा संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक 03 माह का सतर्कता निवारक अभियान के अंतर्गत दिनांक 11 सितंबर 2026 को महानदी रेल विहार डब्ल्यू आर एस कॉलोनी में निवारक सतर्कता अभियान में बिलासपुर मुख्यालय के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (SDGM) विजिलेंस श्री सुरेश चंद्रा, मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, मुख्य कारखाना प्रबंधक वैगन रिपेयर शॉप रायपुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में सतर्कता से संबंधित हुए विषयों पर डिटेल स्टडी की गई। शिकायतों का तुरंत निदान हो संबंधितों की ग्रीवांस पर तुरंत ध्यान देने, लंबित सतर्कता मामलों का तुरंत निदान, कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम, डिजिटल पहल, कांट्रैक्ट मैनेजमेंट, आदि विषयों पर चर्चा की गई।

तीन माह का निवारक सतर्कता अभियान का उद्देश्य रेल संगठन में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के प्रति अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को जागरूक करना है। कर्मचारियों को नियमों के अनुपालन, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा सार्वजनिक सेवा में सत्यनिष्ठा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का आयोजन 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि (Probity for Prosperity) रखी गई है।

रेल प्रशासन द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपना योगदान दें।

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स में नई NEXA Baleno का भव्य लॉन्च

- बोल्ड डिजाइन, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और प्रीमियम अनुभव के साथ नई Baleno की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स के Maruti Suzuki NEXA, विधान सभा रोड, सड्डू, रायपुर में बहुप्रतीक्षित ऑल-न्यू NEXA Baleno का भव्य लॉन्च समारोह आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि श्री डी. रवि शंकर जी, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त (Additional Transport Commissioner) ने नई NEXA Baleno का भव्य अनावरण किया। कार्यक्रम में विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स के MD श्री यशवंत अग्रवाल जी सहित कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राहक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

नई NEXA Baleno को आकर्षक एवं बोल्ड डिजाइन के साथ एक नए अंदाज में पेश किया गया है। प्रीमियम स्टाइल, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, बेहतर कम्फर्ट और आधुनिक सेफ्टी फीचर्स के साथ नई Baleno ग्राहकों को एक शानदार ड्राइविंग अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। लॉन्च समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों को नई Baleno की प्रमुख विशेषताओं एवं तकनीकी खूबियों से अवगत कराया गया। कार के अनावरण के साथ ही कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और रोमांच का माहौल देखने को मिला।

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स के MD श्री यशवंत अग्रवाल जी ने इस अवसर पर कहा कि नई NEXA Baleno का लॉन्च ग्राहकों को बेहतर, आधुनिक और प्रीमियम मोबिलिटी अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

A Bolder Tomorrow Begins Here

नई NEXA Baleno के साथ विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स ने रायपुर में एक नए और बोल्ड ऑटोमोबाइल अनुभव की शुरुआत की।

भारत में पहली बार BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस लॉन्च

गुरुग्राम (विश्व परिवार)। BMW इंडिया ने देश में पहली बार BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस लॉन्च की है। इस कार की बुकिंग देशभर के BMW डीलरशिप्स और www.bmw.in पर की जा सकती है। पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस का उत्पादन अब BMW ग्रुप के चेन्नई प्लांट में स्थानीय स्तर पर किया जाएगा और इसकी डिलीवरी जल्द शुरू होगी।

BMW ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट एवं CEO श्री हरदीप सिंह ब्रार ने कहा, पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस की पेशकश हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत के लिए विशेष रूप से विकसित लॉन्ग व्हीलबेस और इलेक्ट्रिक वाहनों की हमारी रणनीति को और मजबूत बनाती है। हमारी पहली स्थानीय रूप से निर्मित इलेक्ट्रिक सेडान के रूप में यह कार हमारी बढ़ती स्थानीय उत्पादन क्षमता और सस्टेनेबल मोबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बाहर से आकर्षक और अंदर से शांत व शानदार अनुभव देने के लिए तैयार की गई यह कार गतिशील ड्राइविंग और प्रथम श्रेणी की चालक-चालित लक्ज़री के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करती है। पीछे बैठने वालों के लिए असाधारण आराम और शानदार प्रदर्शन के साथ यह कार एक बिल्कुल नया सेगमेंट तैयार करती है और आधुनिक एग्जीक्यूटिव सेडान के अनुभव को नई परिभाषा देती है।

प्रारंभिक एक्स-शोरूम कीमत

BMW i5 eDrive35L M Sport : 79,60,000 रुपए

BMW i5 eDrive35L M Sport (FIRST EDITION) : 79,60,000 रुपए

पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस

नई BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस का एक्सटीरियर आधुनिक सुंदरता और दमदार व्यक्तित्व का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करता है। इसकी लंबाई 5,175 मिमी, चौड़ाई 2,156 मिमी, ऊंचाई 1,520 मिमी और 3,105 मिमी व्हीलबेस इसे अपने सेगमेंट की सबसे बड़ी और सबसे विशाल केबिन वाली कार बनाते हैं।

कार के फ्रंट में प्रमुख BMW किडनी ग्रिल दी गई है, जिसे चौड़े बॉर्डर और BMW Iconic Glow Contour Line लाइटिंग के साथ सजाया गया है। ब्लैक साइड स्कर्ट्स, फ्लश-माउंटेड डोर हैंडल, 5-पैटर्न वेलकम कार्पेट लाइट और ट्यूबलेस टायरों के साथ 20-इंच रू अलॉय व्हील्स इसकी आकर्षक उपस्थिति को और निखारते हैं।

विद्यार्थी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम समिति के सदस्यों द्वारा 9 सितंबर 2026 को MAIC सभागार में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक संवादात्मक एवं जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का विषय Brake the HabitÑ A Practical Guide to Road Safety रहा।

इस अवसर पर सुश्री स्नेहल साहू, उप पुलिस अधीक्षक, रायपुर कमिश्नरेट, रायपुर (छत्तीसगढ़) वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। यह सत्र महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें सड़क सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक एवं दैनिक जीवन में उपयोगी विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के मूलभूत नियमों, जिम्मेदार सड़क व्यवहार तथा असुरक्षित वाहन चलाने एवं आवागमन की आदतों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उचित उपयोग सहित दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सड़क पर अनुशासन, सतर्कता तथा अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

मुख्य वक्ता द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न पुलिस एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। आपातकालीन सहायता के लिए पुलिस, अग्निशमन एवं चिकित्सा सेवाओं हेतु 112, महिला हेल्पलाइन 1091, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर वित्तीय धोखाधड़ी हेल्पलाइन 1930 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन 1033 की जानकारी साझा की गई। यातायात जाम से संबंधित सूचना के लिए 94792-10632 नंबर की जानकारी भी प्रदान की गई। छत्तीसगढ़ में परिवहन संबंधी सहायता के लिए परिवहन आयुक्त, रायपुर - 0771-2511086 तथा परिवहन हेल्पलाइन - 94792-10632 की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।

सत्र के दौरान सड़क पर होने वाले सामान्य असुरक्षित व्यवहारों पर चर्चा करते हुए उनसे उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं विद्यार्थियों के दैनिक अनुभवों से जोड़ने के लिए वास्तविक सड़क दुर्घटनाओं के वीडियो क्लिप, CCTV फुटेज तथा व्यावहारिक सुरक्षा उदाहरण प्रस्तुत किए गए।

कुगदा गेट रोड अंडर ब्रिज में भारी वाहनों का प्रवेश निषेध

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के कुम्हारी-ए केबिन एवं सी-केबिन स्टेशनों के मध्य हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग पर कुगदा गेट किमी 842 पर स्थित रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के एप्रोच हिस्से में कवर्ड शेड निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा एवं कार्य की सुचारू प्रगति सुनिश्चित करने के लिए 02 सितंबर 2026 से 10 सितंबर 2026 तक भारी वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से परिवर्तित किया गया था जिसमें एक्स्टेंशन करते हुए 15 सितंबर 2026 तक आवागमन अस्थायी रूप से परिवर्तित किया रहेगा। इस अवधि में भारी वाहनों को समपार फटक क्रमांक 429, किमी 840/1-3 (परसदा गेट/कैवल्यधाम) के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354